

केजरीवाल के काम और जयहिंद के आंदोलन आप की ताकत

अनुराग अग्रवाल, चंडीगढ़

हरियाणा में दो लोकसभा और विधानसभा का एक उपचुनाव (जीद में) लड़ चुकी आम आदमी पार्टी इस बार पूरी ताकत के साथ अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में है।

हरियाणा का रण

सात साल पहले अस्तित्व में आई इस पार्टी ने जहां राज्य में अपनी अलग पहचान बनाई, वहीं सत्तारूढ़ भाजपा के सामने बिखरे विपक्ष का विकल्प बनने का दावा कर रही है। दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सरकार के काम और हरियाणा में नवीन जयहिंद के सत्ता विरोधी आंदोलन पार्टी की ताकत है। यह अलग बात है कि पार्टी हाल-फिलहाल संसाधनों की कमी से जुझते हुए संघर्ष के दौर में है।

हरियाणा में आम आदमी पार्टी की गतिविधियां दिल्ली के साथ शुरू हुई थी। शुरू में कुछ दिन प्रदेश इकाई की कमान योगेंद्र यादव के हाथों में रही। इसके बाद जब से नवीन जयहिंद ने मोर्चा संभाला। आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में 2014 का पहला लोकसभा चुनाव लड़ा और पांच फ्रीसद वोट हासिल किए। इस लोकसभा चुनाव के बाद आप और इनेलो से

दो लोस चुनाव लड़ चुकी आप हरियाणा में दमखम से लड़ेगी पहला विस चुनाव



अरविंद केजरीवाल



नवीन जयहिंद

अलग हूँ जननायक जनता पार्टी (जजपा) के बीच गठबंधन हुआ तथा दोनों ने मिलकर जीद का विधानसभा उपचुनाव लड़ा।

2019 का लोकसभा चुनाव भी आप और जजपा ने मिलकर लड़ा। आप ने तीन और जजपा ने सात लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे, लेकिन नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लहर और मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कामों का असर लोकसभा चुनाव में नजर आया तो गठबंधन को चुनाव में मात्र छह फ्रीसद

मतों से ही संतोष करना पड़ा। अब 2019 के विधानसभा चुनाव सिर पर हैं और आप का जजपा के साथ गठबंधन भी नहीं रहा। ऐसे में अब आप मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कामों तथा नवीन जयहिंद के संघर्ष के हवाले से 2019 का चुनाव लड़ने को तैयार है।

हरियाणा में आप का उदय बहुत पुराना नहीं है, लेकिन जिस तरह से नवीन जयहिंद ने सत्ता के खिलाफ एक के बाद एक बड़े आंदोलन खड़े किए और अपने गरम बयानों की वजह से सरकार की मुश्किलें बढ़ाईं, उसके आधार

पर जयहिंद की छवि एक दबंग नेता की बनी, जिसका फायदा पार्टी को मिला है। पार्टी विधानसभा चुनाव में जयहिंद की इस छवि का लाभ लेने के फिर्का में है। राज्य में जाट और गैर जाट की राजनीति को अक्सर हवा मिलती रही है। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल वैश्य तथा प्रदेश अध्यक्ष नवीन जयहिंद ब्राह्मण हैं। इस जातीय समीकरण को ध्यान में रखते हुए आप ऐसे नेताओं की पसंद बनने जा रही है, जिन्हें दूसरे दलों में टिकट नहीं मिल सकेगा। इसमें भाजपा के बागी और कांग्रेस के विद्रोही सबसे आगे रहने वाले हैं।

दूसरे दलों का गणित खराब करने की स्थिति में झाड़ू : हरियाणा में पिछले विधानसभा चुनाव की अगर बात करें तो कई सीटें ऐसी हैं, जिन पर उम्मीदवारों की जीत का अंतर दो से दस हजार के बीच रहा है। इस गणित को अगर देखा जाए तो आप राज्य में करीब दो दर्जन सीटों पर किसी भी पार्टी का गुणा भाग खराब करने की स्थिति में है। पार्टी यहां दिल्ली में हुए स्कूल, अस्पताल, सड़क, बिजली और पानी के कामों को कैश करने की कोशिश में है तो साथ ही नवीन जयहिंद द्वारा धरातल पर खड़े किए गए संभटन का का फायदा लेने के प्रयासों में भी है।

भाजपा के मुख्यमंत्रियों के दांव से सचेत हुई कांग्रेस

एनआरसी मामला

राजीव शुक्ला ने कहा–

एनआरसी के पक्ष में कांग्रेस,

प्रक्रिया पारदर्शी होना जरूरी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

चुनावी मौसम में एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर) पर भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के मुखर सियासी दांव को लेकर कांग्रेस ने अपने नेताओं को सतर्क कर दिया है। पार्टी ने अपने नेताओं को साफ संदेश दे दिया है कि कांग्रेस सैद्धांतिक रूप से एनआरसी का विरोध नहीं कर रही। ऐसे में पार्टी नेताओं को एनआरसी पर सियासी बयानबाजी के भंवर में घिरे का कोई मौका विरोधी को नहीं देना चाहिए।

तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले असम की तरह विदेशी नागरिकों की पहचान के लिए एनआरसी लागू करने के भाजपा के मुख्यमंत्रियों के बयान को कांग्रेस उनका चुनावी रणनीति का हिस्सा मान रही है। पार्टी रणनीतिकारों के अनुसार हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल हों, झारखंड के सीएम रघुवर दास हों या फिर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडनवीस, सभी चुनावी बिगुल बजने से ठीक पहले एनआरसी लागू करने की बात करने लगे हैं। मगर सच्चाई यह है कि असम का एनआरसी का मसला तो पिछले एक साल से ज्यादा समय से गरम है। तब इन राज्यों की सरकारों ने अपने

कांग्रेसियों ने अपनी ही जिला पंचायत अध्यक्ष की हिला दी कुर्सी

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद

गुजरात में कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान एक बार फिर सामने आ गई है। वडोदरा जिला पंचायत की अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित हो गया है। कांग्रेस के 16 सदस्यों ने भाजपा के 14 सदस्यों के साथ मिलकर अपनी ही पार्टी की जिला पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव रखा था।

जिला पंचायत अध्यक्ष पन्नाबेन भट्ट का विरोध करते हुए इसके 22 में से 16 कांग्रेसी सदस्यों ने पहले उन पर इस्तीफे के लिए दबाव बनाया था। पन्नाबेन ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा के समक्ष इस्तीफा भी सौंप दिया। हालांकि, जिला विकास अधिकारी को इस्तीफा सौंपने की बजाय भट्ट ने अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान करने का रास्ता अपनाया। बताया जाता है कि उन्होंने पार्टी के जिला प्रभारी राजेंद्र घटेल के इशारे पर ऐसा किया। भट्ट को प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सिद्धार्थ पटेल के समर्थन से जिला पंचायत का अध्यक्ष बनाया गया था। हालांकि, वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष चावड़ा के समर्थक उन्हें पद से हटाना चाहते थे।

ध्रांगध्रा कृषि उत्पाद बाजार

समिति में भाजपा के 14

सदस्य निर्विरोध निर्वाचित

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आइके जाडेजा ने बताया कि ध्रांगध्रा कृषि उत्पादन बाजार समिति के चुनाव में नामांकन के लिए सोमवार अंतिम दिन था। 14 सदस्यों के लिए होने वाले चुनाव में कांग्रेस की ओर से किसी ने नामांकन दाखिल नहीं किया। इसके कारण भाजपा के सभी सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो गए।

नई अध्यक्ष भी होंगी कांग्रेसी, भाजपाई करेंगे समर्थन : 36 सदस्यों वाली जिला पंचायत में भाजपा के 14 सदस्य हैं, लेकिन नई अध्यक्ष भी कांग्रेसी होंगी। भाजपा के जिला पंचायत सदस्यों ने भी अपने समर्थन का एलान कर दिया है। हालांकि, पुटबाजी के चलते कांग्रेस ने अभी नए नेता के नाम के पने नहीं छोले हैं। वडोदरा जिला पंचायत अध्यक्ष का पद सामान्य वर्ग की महिला के लिए आरक्षित है।

झटका

अंतागढ़ टेपकांड में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री की याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी, उपचुनाव में मैदान छोड़ने के लेकर सात करोड़ की डील का ऑडियो हुआ था वायरल

जोगी पिता–पुत्र को नहीं मिली अग्रिम जमानत

नईदुनिया, रायपुर

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी और उनके बेटे अमित जोगी को अंतागढ़ टेपकांड मामले में बड़ा झटका लगा है। सोमवार को कोर्ट ने दोनों की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। गौरतलब है कि अंतागढ़ में 2014 में हुए उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मंत्राराम ने एनकवत पर मैदान छोड़कर भाजपा की रह आसान कर दी थी। इसके बाद 2015 में एक ऑडियो टेप वायरल हुआ था, जिसमें जोगी पिता-पुत्र और मंत्राराम के साथ ही तत्कालीन मुख्यमंत्री रमन सिंह के दामाद की आवाज सुनाई पड़ रही थी। इसमें सभी चुनाव मैदान छोड़ने को लेकर सात करोड़ रुपये की डील की बात करते हुए सुनाई पड़ रहे थे।

रायपुर जिला सत्र न्यायालय के अंतर्गत उनका याचिका पर सुनवाई हुई। छत्तीसगढ़ शासन की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता विवेक रंजन व शासकीय अभिभाषक पीयूष भाटिया ने दलील दी कि लोकतंत्र की अहम बुनियाद निष्पक्ष चुनाव है। ये जोगी पिता-पुत्र मुख्य षड्यंत्रकारी हैं। पुलिस को भी संशयों नहीं



अजीत जोगी



अमित जोगी

फाइल

फिरोज चार दिन की पुलिस रिमांड पर

जेल में बंद फिरोज सिद्दीकी को सोमवार को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम, चीफ ज्युडिशियल मगिस्ट्रेट) भूपेंद्र कुमार वासनी की कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने अहम जानकारी जुटाने के लिए उसे चार दिन की रिमांड पर देने की मांग की। इस पर कोर्ट ने 20 सिबतब तक उमर रिमांड पर सीपने का आदेश दिया। उल्लेखनीय है कि अंतागढ़ टेपकांड में मंत्राराम के कोर्ट में 164 के बयान के आधार पर पुलिस फिरोज से पूछाछ करना चाहती है। इस मामले में दोनों को आमने– सामने बैठकर भी पूछताछ की जा सकती है। याद रहे फिरोज भी इस मामले में आरोपित है।

कर रहे हैं। अधिवक्ताओं की दलील सुनने के बाद न्यायालय ने जोगी पिता-पुत्र की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी।

अंतागढ़ टेपकांड में ही अभियुक्त मंत्राराम पवार अपने अधिवक्ता के साथ सोमवार को कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने कोर्ट से कहा- ‘ मैं वाइस सैपल देने

विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने जा रही है केंद्र सरकार देशभर में । इनमें महिलाओं और बच्चों से दुकर्म व अपराध से जुड़े 1.66 लाख मुकदमों को निपटया जाएगा। ऐसी हर अदालत हर साल 165 कस निपटाएगी।

बसपा के सामने विश्वास बहाल करने की चुनौती

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

हरियाणा की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी का पिछले तीन दशक से हस्तक्षेप रहा है। प्रदेश की जनता ने बसपा सुप्रीमो मायावती को आज तक एक सांसद और पांच विधायक जिताकर दिए हैं, लेकिन इनमें से कई विधायक न तो पार्टी के ही सके और न ही मायावती का हाथी किसी दल को रास आ सका। बसपा सुप्रीमो के हाथी ने हरियाणा में कई राजनीतिक दलों को बारी-बारी से अपनी पीठ की सवारी कराई, लेकिन मौका आने पर उन्हें हर बार पटखनी दे दी। इस बार के चुनाव में मायावती के हाथी को अपना खोया हुआ विश्वास बहाल कराने की चुनौती से गुजरना पड़ सकता है।

हरियाणा में बसपा का हाथी कभी भरोसे लायक नहीं रहा। राज्य में दलित वोट बैंक 19 फीसद के आसपास है, जबकि उत्तर प्रदेश में 22 फीसद माना जाता है। इसके बावजूद हरियाणा में बसपा उत्तर प्रदेश के मुकाबले कोई खास करिश्मा कभी नहीं कर पाई। प्रदेश में बसपा का पहला गठबंधन इनेलो के साथ 1998 के लोकसभा चुनाव में हुआ था। तब अंबाला से अमन कुमार नागरा एकमात्र

प्रदेश में बसपा की अब तक की उपलब्धियां

1991 में बसपा के पहले विधायक नारायणगढ़ से सुरजीत धीमान बने

2000 में जगधारी हलके से डॉ. बिशन लाल सैनी विधायक चुने गए

2005 के चुनाव में छछरीली हलके से चौ . अर्जुन गुर्जर विधायक बने

पारिसीमन के बाद छछरीली हलका खत्म हो गया और जगधरी से 2009 में चौ . अकरम खान विधायक बने

2014 में पृथला हलके से टेकचंद शर्मा विधायक बने, जो अब भाजपा में चले गए

1998 के लोकसभा चुनाव में अंबाला से अमन नागरा पहले सांसद बने

बसपा के पहले और अब तक के आखिरी सांसद चुनकर आए थे। इसके बाद 11 साल तक बसपा ने किसी के साथ गठबंधन नहीं किया। 2009 के विधानसभा चुनाव में बसपा और कुलदीप बिश्नोई के नेतृत्व वाली 1998 के लोकसभा चुनाव में हुआ था। तब अंबाला से अमन कुमार नागरा एकमात्र

दिन नहीं चल पाया। इस गठबंधन के टूटने के नौ साल बाद 2018 में इनेलो के अभय सिंह चौटाला और बसपा सुप्रीमो मायावती फिर साथ-साथ आए, लेकिन चौटाला परिवार ने फूट का हवाला देते हुए बसपा चौटाला से अलग हो गई। इस विखराव के बाद मायावती ने भाजपा के बागी सांसद राजकुमार सैनी के नेतृत्व वाली लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के साथ गठबंधन किया और जीद उपचुनाव भी लड़ा, लेकिन बात नहीं बनी। अब राजकुमार सैनी और मायावती की राहें जुड़ हैं।

करीब दो माह पहले बसपा ने इनेलो से अलग हुई जननायक जनता पार्टी के दुष्यंत चौटाला के साथ गठबंधन किया, मगर यह गठबंधन भी पूरा एक माह नहीं चल पाया। अब बसपा ने राज्य में अकेले अपने बूते सभी 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान किया है। कांग्रेस हालांकि बसपा के हाथी की सवारी करने की इच्छुक है, लेकिन राजनीतिक दबाव के चलते अभी इस नए गठजोड़ में सफलता मिल पाना मुश्किल लग रहा है। अब बसपा मखसचिव सतीश मिश्रा राज्य में लोकसभावार दौरे करने में जुटे हैं, ताकि पार्टी का खोया विश्वास बहाल किया जा सके।

सचिवालय में बिना अनुमति अपने अफसरों की वीडियोग्राफी किए जाने पर सीबीआइ नाराज

जागरण संवाददाता, कोलकाता

कोलकाता पुलिस के पूर्व आयुक्त राजीव कुमार की जानकारी हासिल करने के लिए राज्य सचिवालय में बंगाल के डीजीपी वरिंद्र को पत्र देने पहुंचे सीबीआइ अधिकारियों की बिना अनुमति वीडियोग्राफी किए जाने की घटना को लेकर एनसी के उच्च अधिकारी नाराज हैं। उन्होंने नवान कर्मियों द्वारा वीडियो बनाने की घटना की रिपोर्ट दिल्ली मुख्यालय को भेजी है।

बता दें कि नोटिस के बावजूद राजीव कुमार शनिवार को पूछताछ के लिए सीजीओ काम्पलेक्स स्थित सीबीआइ कार्यालय में हाजिर होने की बजाए उन्होंने ई-मेल के जरिए सीबीआइ को पत्र भेजकर नजमें में असमर्थता जताई थी। सीबीआइ के नजरों में फगर चल रहे पूर्व सीपी राजीव कुमार का सुराग पाने के लिए रविवार को पत्र सीबीआइ के दो अधिकारी नवान में डीजीपी को पत्र देने पहुंचे थे। डीजीपी ने मुजेंडी परिया में रहते हैं। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच साल में सिर्फ 73 बांग्लादेशी ही गिरफ्तार हुए हैं। ताजा मामले में पिछले 15 दिन में 10 बांग्लादेशी पकड़े जा चुके हैं।

मानते हैं। यहां से ये लोग बागदा बॉर्डर पार कर आसानी से भारत में प्रवेश कर लेते हैं। ये लोग बंगाल में ही भारत में रहने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करते हैं। इसके बाद एनसीआर में आ जाते हैं।

शहर में पकड़े गए अधिकतर बांग्लादेशी करारा बीनने का काम करते थे। यह घरों से भी कूड़ा उठाकर लाते थे। दिल्ली से नजदीक होने के कारण ये फरीदाबाद में अपना ठिकाना बना लेते हैं। यहां वह घरेलू नौकर, भिखारी या खानाबदोश के तौर पर पहचान छिपाने में कामयाब हो जाते हैं।

पुलिस ने अब तक जितने भी बांग्लादेशियों को पकड़ा तो उनमें से 90 फीसद लोग खत्म एरिया में रह रहे थे और यहां पर उन्होंने अपने राशन व आधार कार्ड तक बनाएए हुए थे। ये लोग नहर किनारे के अलावा मिर्जापुर व मुजेंडी परिया में रहते हैं। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच साल में सिर्फ 73 बांग्लादेशी ही गिरफ्तार हुए हैं। ताजा मामले में पिछले 15 दिन में 10 बांग्लादेशी पकड़े जा चुके हैं।

पुलिस ने अब तक जितने भी बांग्लादेशियों को पकड़ा तो उनमें से 90 फीसद लोग खत्म एरिया में रह रहे थे और यहां पर उन्होंने अपने राशन व आधार कार्ड तक बनाएए हुए थे। ये लोग नहर किनारे के अलावा मिर्जापुर व मुजेंडी परिया में रहते हैं। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच साल में सिर्फ 73 बांग्लादेशी ही गिरफ्तार हुए हैं। ताजा मामले में पिछले 15 दिन में 10 बांग्लादेशी पकड़े जा चुके हैं।

देश में नमो और बिहार में नीतीश का कोई विकल्प नहीं : मोदी

राज्य ब्यूरो, पटना : बिहार के उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में विरोधी दल जिस तरह नरेंद्र मोदी का विकल्प नहीं दे पाए, उसी तरह बिहार अदालत संबंधित पक्षों को वायस सैपल के लिए आदेशित करें।

इस मामले में प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम लीना अग्रवाल के यहां सुनवाई हुई। मंत्राराम अधिवक्ता के साथ पेश हुए। उधर, अमित जोगी की ओर से लिखित तर्क अधिवक्ता ने पेश किया। लिखित में अमित जोगी ने कोर्ट में तर्क दिया है कि एसआइटी की विधिक स्थिति प्रश्नांकित है। इस पर उच्च न्यायालय में सुनवाई चल रही है, अतः एसआइटी के आवेदन पर विचार नहीं हो सकता। वहीं, प्रकरण में अन्य अभियुक्त डॉ. पुनीत गुप्ता की ओर से अधिवक्ता दिवाकर सिन्हा ने न्यायालय में दस्तावेज पेश किए हैं। प्रकरण में न्यायालय ने 17 सितंबर की तारीख दी है। मंगलवार को सरकारी पक्ष जवाब दाखिल कर सकता है।

राजीव कुमार की जानकारी लेने डीजीपी को पत्र देने पहुंचे थे अधिकारी, मुख्यालय को भेजी गई रिपोर्ट

के बावजूद सीबीआइ अधिकारियों की वीडियोग्राफी की थी। इस घटना के बाद एक बार फिर सीबीआइ और राज्य सरकार आमने सामने आ गई है। उधर, सोमवार को भी पूर्व सीपी राजीव कुमार सीबीआइ के सम्मक्ष पेश नहीं हुए।

डीजीपी ने भेजा पत्र का जवाब, सीबीआइ ने मिलने से किया इन्कार : पत्र मिलने के दूसरे दिन ही बंगाल के पुलिस महानिदेशक ने अपना जवाब सीबीआइ को भेज दिया। हालांकि सीबीआइ ने अभी तक जवाबी पत्र के मिलने से इन्कार किया है। सूत्रों के अनुसार सोमवार शाम सचिवालय के प्रतिनिधि डीजीपी का जवाबी पत्र लेकर कोलकाता स्थित सीबीआइ कार्यालय पहुंचे। इसके बाद अधिकारियों को पत्र सौंपकर प्रतिनिधि वहां से चले गए। सूत्रों बताते हैं कि पत्र में उल्लेख है कि राजीव कुमार के छुट्टी में जाने के बाद से उनके साथ किसी प्रकार का संपर्क नहीं हो पा रहा है। जानकारी के अनुसार राजीव कुमार ने छुट्टी के लिए डीजीपी और राज्य के गृह सचिव के पास आवेदन किया था। ऐसे में उनकी लोकेशन विभाग के पास नहीं होना चिंता का विषय है।

सवा साल बाद कल पीएम मोदी से मुलाकात करेंगी ममता बनर्जी

जागरण संवाददाता, कोलकाता

बुधवार को दिल्ली में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात होगी। दोनों आखिरी बार 25 मई, 2018 को शांति निकेतन में विश्व भारती विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में मिले थे। बता दें कि 2014 से लगातार केंद्र सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ ममता बनर्जी ने मोर्चा खोल रखा है। विरोध का आलाम यह है कि लोकसभा चुनाव के दौरान ममता ने नरेंद्र मोदी को पीएम मानने से ही इन्कार कर दिया था। यहां तक कि वह मोदी के पीएम पद के शपथग्रहण समारोह में भी नहीं गईं थीं।

पीएम की अध्यक्षता में नीति आयोग ने देशभर के मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई तो उसमें भी वह नहीं गईं। ममता ने पीएम मोदी से करीब सवा साल से कोई मुलाकात नहीं की है। अचानक उनके बदले रुख ने कई कयासों को जन्म दे दिया है। प्रधानमंत्री

कार्यालय से मुख्यमंत्री कार्यालय को इस बाबत औपचारिक सहमति दे दी गई है। बनर्जी मुलाकात के दौरान पीएम के सम्मक्ष राज्य की समस्याओं समेत कई मांग रखेंगी।

मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब सारधा चिटफंड कांड में सीबीआइ का शिकंजा ममता के करवीर आरपीएस अफसर व एडीजी सीआइडी राजीव कुमार से ही इन्कार कर दिया था। यहां तक कि वह मोदी के पीएम पद के शपथग्रहण समारोह में भी नहीं गईं थीं।

भाजपा ने उड़ाया मजाक : बंगाल भाजपा के नेता राहुल सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का समय मांगने पर ममता बनर्जी का मजाक उड़ाया है। उन्होंने इस मुलाकात को मौकापरस्ती की राजनीति का बेहतरीन उदाहरण और ममता द्वारा खुद को सीबीआइ के शिकंजे से बचाने का हाताशा भरा प्रयास करार दिया।

अहमद पटेल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 23 को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, प्रे्ट : सुप्रीम कोर्ट वरिष्ठ कांग्रेस नेता अहमद पटेल की याचिका पर 23 सितंबर को सुनवाई करेगा। कांग्रेस नेता 2017 में राज्यसभा के लिए चुने गए थे। उन्होंने इसके खिलाफ दायर याचिका पर गुजरात हाई कोर्ट में आगे की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का विकल्प भी नहीं दे पाएंगे। एनडीए विधानसभा चुनाव में संसदीय चुनाव की सफलता को शानदार आंकड़ों के साथ दोहराएगा। मोदी ने सोमवार को द्वीट कर कहा कि संसदीय चुनाव में 40 में से केवल एक सीट जीतने के बाद महागठबंधन कई सप्ताह तक सदमे में रहा। खुद को दिलासा देने के लिए इसने कुछ दिन इवोएम को कोसा। हाताशा के प्रभाव और वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत ने कहा कि हाई कोर्ट में आगे की कार्यवाही शुरू होने से पहले शीफ कोर्ट में सुनवाई जरूरी है। शीफ कोर्ट में पटेल ने हाई कोर्ट में दायर सुनवाई याचिका को चुनौती दी है। वकीलों ने कहा कि जबतक शीफ कोर्ट चुनाव याचिका के बारे में फैसला नहीं लेता है तबतक हाई कोर्ट में कार्यवाही पर रोक लगाने की जरूरत है।

पिता के बनाए कानून से पूर्व मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला बने बंदी

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारुक अब्दुल्ला को राज्य प्रशासन ने जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत बंदी बना लिया है। पीएसए के तहत बंदी बनाए जाने वाले वह राज्य पहले पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद हैं। उनके घर को ही अस्थायी जेल बना दिया गया है। बता दें कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और डॉ. फारुक के पिता स्व. शेख मोहम्मद अब्दुल्ला ने वर्ष 1978 में लागू किया था पीएसए कानून।

श्रीनगर के सांसद और जम्मू कश्मीर के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके डॉ. फारुक अब्दुल्ला को जम्मू कश्मीर के पुनर्गठन विधेयक को लागू करने से पूर्व 4 अगस्त की मध्यरात्रि घर में प्रशासन ने एहतियातन नजरबंद किया था। उनके बेटे और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी हिरासत में हैं। उन्हें हरि निवास में रखा गया है।

डॉ. अब्दुल्ला पर राज्य सरकार ने रविवार रात ही पीएसए लगाया गया है। इस कानून के मुताबिक, संबंधित व्यक्ति को बिना किसी सुनवाई दो साल तक एहतियातन हिरासत में रखा जा सकता है।

आतंकवाद के दौर में 40 हजार मौतों के लिए कांग्रेस जिम्मेदार : अनुराग

राज्य ब्यूरो, जम्मू : केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर का कहना है कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के दौर में चालीस हजार लोगों की मौत हुई है, जिसके लिए कांग्रेस और पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की गलत नीतियां जिम्मेदार हैं। इसके लिए कांग्रेस को लोगों से माफी मांगनी चाहिए।

भाजपा के राष्ट्रव्यापी जनजागरण अभियान के तहत जम्मू में पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नेताओं, कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अनुराग ने कहा कि कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 लगाकर ऐसे हालात बना दिए, जिससे आतंकवाद और अलगाववाद को शह मिली। कांग्रेस ने एक के बाद एक कई ऐतिहासिक गलतियां कीं। उन्होंने कहा कि लोग वे दिन भूले नहीं हैं, जब जम्मू कश्मीर में भारत माता की जय का नारा लगाने, तिरंगा फहराने पर उन्हें जेल में डाल दिया जाता था। हमें वर्ष 1992 की तिरंगा यात्रा व उसके बाद हुई ऐसी यात्राएं अच्छी तरह से याद हैं। अनुच्छेद 370 को हटाना भाजपा का लक्ष्य था। ऐसा कर पार्टी ने जम्मू कश्मीर में जान कुर्बान करने वाले श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार किया है।मोदी सरकार ने यह ऐतिहासिक फैसला कर नया दौर शुरू किया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रेना, सांसद जुगल किशोर शर्मा, संगठन महामंत्री अशोक कोल, महासचिव युद्धवीर सेठी, मेयर चंद्र मोहन गुप्ता, पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंद्र गुप्ता भी मौजूद थे। अनुराग ने कहा कि केंद्र सरकारों ने जम्मू कश्मीर को बहुत फंड दिया, लेकिन यहां विकास नहीं हो पाया।

कश्मीर में अलगावादियों को टेंगा सुबह–शाम खुल रहीं हैं दुकानें

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

सोमवार को कश्मीर में स्थिति पूरी तरह से शांत और नियंत्रित रही। श्रीनगर, बारामुला, कुपवाड़ा, अनंतनाग, कुलगाम, शोपियां समेत वादी के सभी प्रमुख शहरों व कस्बों के गल्ली-मोहल्लों में सुबह-शाम रोजमर्रा के सामान की दुकानें खुली। सार्वजनिक वाहन नजर नहीं आए, लेकिन निजी और तिपहिया वाहन सड़कों पर दौड़ते नजर आए। श्रीनगर-जम्मू हाईवे पर भी श्रीनगर से लेकर जवाहर सुरंग तक कई जगह दुकानें खुली रही। रेहड़ी-फड़ी और फुटपाथ पर सामान बेचने वालों की दुकानें भी सड़कों पर दौड़ते नजर आए। ऐसे में धान की पारबियां नहीं थी, लेकिन सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त रहे। पूरी वादी में लैंडलाइन फोन सेवाएं सुचारु हो गईं। कुपवाड़ा व हंदवाड़ा में मोबाइल फोन भी शुरू हो चुके हैं।

घाटी में सामान्य होते हालात से बौखलाए अलगाववादी और आतंकी संगठन घाटी में जबस बंद लागू करवाना चाह रहे हैं। आतंकियों के डर से लोग प्रमुख बाजारों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को बंद रख रहे हैं। हालांकि कई जगह दुकानें सुबह शाम खुल रही हैं।

परेशानी

आगामी दिनों में शुरू होने वाला हे धान की कटाई का काम, अभी से शुरू हो चुकी है मजदूरों की तलाश, ताकि समय पर हो सके कटाई

वादी में किसानों को ढूढ़ने से भी नहीं मिल रहे मजदूर

संबाद सहयोगी, श्रीनगर

वादी से बाहरी मजदूर चले गया गए, वह अपने पीछे स्थानीय लोगों के लिए बेशुमार चुनौतियां छोड़ गए हैं। रोजाना के कामकाज के साथ-साथ फसली सीजन में मजदूरों की कमी भी किसान को परेशान करने लगी है। 70 लाख की आबादी वाली वादी में छह से आठ लाख के करीब श्रमिक बाहरी राज्यों के आकर काम करते थे। इनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और झारखंड के सबसे ज्यादा श्रमिक शामिल थे। श्रमिकों के वादी में मौजूद रहने से यहां के लोग उन पर ही निर्भर हो गए थे। घर के कामकाज के साथ निर्माण कार्य और खेतीबाड़ी के कामों में भी श्रमिकों का ही सहारा लेते थे। मगर इस बार वादी के किसानों का सहारा बनने वाले मजदूर यहां मौजूद ही नहीं हैं। आगामी दिनों में धान की कटाई शुरू होने वाली है। ऐसे में अभी से किसान मजदूरों की तलाश कर रहे हैं। मगर उन्हें ढूढ़ने से भी मजदूर नहीं मिल पा रहे हैं। ऐसे में उन्हें परेशान होना पड़ रहा है। गौरतलब है कि पांच अगस्त को केंद्र सरकार के अनुच्छेद 370 व 35ए हटाने का

वार पाकिस्तान इस साल अब तक जम्मू- कश्मीर में संघर्ष विराम का उल्लंघन कर चुका है। इसमें कई सुरक्षाकर्मियों समेत 21 लोगों की मौत भी हो चुकी है। भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान को भी जानमाल का भारी नुकसान हुआ है।

श्रीनगर में सोमवार को नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारुक अब्दुल्ला के आवास के बाहर निगरानी करते सुरक्षाकर्म।

वहीं, सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय में एमडीएमके नेता और राज्यसभा सदस्य वायको द्वारा डॉ. फारुक अब्दुल्ला की रिहाई की लिए दायर याचिका पर सुनवाई से पूर्व ही उन्हें पीएसए के तहत बंदी बनाने की पुष्टि हुई। सूत्रों के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय

राज्य के पहले पूर्व मुख्यमंत्री हैं जो पीएसए के तहत हुए गिरफ्तार, घर ही बनी जेल

उनके पुत्र और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी हैं हिरासत में

पीएसए को कोर्ट में चुनौती देगी नेशनल कांफ्रेंस

पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस केसांसद डॉ. फारुक अब्दुल्ला को जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत बंदी बनाए जाने के राज्य सरकार के फैसले को नेशनल कांफ्रेंस अदालत में चुनौती देगी। नेकां के वरिष्ठ नेता और सांसद मोहम्मद अकबर लोन ने कहा कि फारुक को जनसुरक्षा अधिनियम के तहत बंदी बनाया जाना अत्यंत निंदनीय है। राज्य और केंद्र सरकार अपने इस कदम को किसी भी तरह से न्यायोचित नहीं ठहरा सकती। हम राज्य सरकार के इस कदम को अदालत में चुनौती देगे।

में डॉ. फारुक अब्दुल्ला की हिरासत को न्यायोचित ठहराने के लिए ही यह कदम उठाया गया है।

सरकार ने कहा था कोई रोक नहीं : डॉ.

फारुक अब्दुल्ला 4 अगस्त की मध्यरात्रि से ही अपने घर में नजरबंद थे, लेकिन तब सरकार ने साफ कहा था कि वह हिरासत में नहीं हैं और कहीं भी आने-जाने को स्वतंत्र हैं। वहीं, डॉ. अब्दुल्ला ने अपने घर की बालकनी से खड़े हो सरकार पर झूठ बोलने का आरोप लगाया था।

शेख अब्दुल्ला ने बनाया था कानून : यहां यह बातना असंगत नहीं होगा कि पीएसए को राज्य में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. शेख मोहम्मद अब्दुल्ला ने वर्ष 1978 में लागू किया था। उस समय उन्होंने यह कानून जंगलों के अवैध कटान में लिप तत्वों को रोकने के लिए बनाया गया था। बाद में इसे असामाजिक तत्वों, आतंकियों, कानून व्यवस्था के लिए संकट बनने वाले तत्वों पर भी लगाया जाने लगा। अलगाववादियों को भी अकसर इसी कानून के तहत बंदी बनाया जाता रहा है। इस कानून के मुताबिक, दो साल तक किसी तरह की सुनवाई नहीं हो सकती थी, लेकिन वर्ष 2010 में इसमें कुछ बदलाव किए गए। पहली बार उल्लंघन पर पीएसए के तहत हिरासत की अवधि छह माह रखी गई और अगर उसमें सुधार नहीं होता तो दो इसे दो साल तक बढ़ाया जा सकता है।

पाकिस्तानी सेना और आइएसआइ ने लांछिण पैडों पर आतंकियों को किया सक्रिय

एलओसी पर सेना व आइबी पर सीमा सुरक्षाबल के जवान हाई अलर्ट पर

नेशनल न्यूज

गुलाम नबी आजाद को मिली कश्मीर जाने की इजाजत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद को कश्मीर जाने की इजाजत दे दी। कोर्ट ने उन्हें दिहाड़ी मजदूरों की हालत जानने और उनसे मिलने के लिए श्रीनगर, बारामुला, अनंतनाग और जम्मू जाने की इजाजत दी है। लेकिन यह इजाजत वहां लगे प्रतिबंधों के आधीन होगी। गुलाम नबी की ओर से कोर्ट में कहा गया कि यात्रा के दौरान वह न तो राजनीतिक रैली करेंगे और न ही किसी तरह की राजनीतिक गतिविधि में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा उनकी याचिका में की गई अन्य मांगों पर कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से जवाब देने को कहा है।

फारुक अब्दुला की हिरासत पर सरकार को नोटिस: पूर्व मुख्यमंत्री फारुक अब्दुला को गैरकानूनी हिरासत में रखे जाने का आरोप लगाने वाली संसद वाइको की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी कर सरकार से जवाब मांगा है। याचिका में फारुक अब्दुला को पेश किए जाने की मांग की गई है। कहा गया कि सरकार उनके बारे में स्थिति स्पष्ट करे। हालांकि सरकार की ओर से याचिका का विरोध करते हुए कहा गया कि इन्हें याचिका दाखिल

मुख्यमंत्री सेवा संकल्प हेल्पलाइन शुरू, जनमंच भी होगा ऑनलाइन

सुविधा ► हेल्पलाइन शुरू करने वाला देश का चौथा राज्य बना हिमाचल प्रदेश

कॉल सेंटर में एक साथ 40 शिकायतें हो सकेंगी दर्ज

राज्य ब्यूरो, शिमला



घरेलू या छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर हिमाचल के आम आदमी को शिमला में मुख्यमंत्री या मंत्रियों से मिलने के लिए आने की जरूरत नहीं है। अब कोई भी घर बैठे मोबाइल फोन से 1100 नंबर पर शिकायत दर्ज करवा सकता है। हर शिकायत का सात से 14 दिनों के भीतर समाधान होगा। इसके लिए प्रदेश में सोमवार को मुख्यमंत्री सेवा संकल्प हेल्पलाइन शुरू हुई। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने नगर निगम शिमला के नए परिसर में हेल्पलाइन को शुरू किया। इस कॉल सेंटर में एक साथ 40 शिकायतें दर्ज हो सकेंगी।

प्रदेश में मुख्यमंत्री सेवा संकल्प हेल्पलाइन शुरू होते ही हिमाचल यह सुविधा देने वाला देश का चौथा राज्य बन गया। अब तक यह सुविधा उत्तराखंड, मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश में है। हेल्पलाइन शुरू करने के बाद मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि अब सरकारी अधिकारियों को जिम्मेदारी बढ़ गई है। आधुनिक तकनीक के उपयोग से जन शिकायतों का त्वरित और समयबद्ध समाधान

तीन दिन से आइसीयू में है सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता

जागरण संवाददाता, पश्चिमी चंपारण

बिहार की बेटीयां की सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता तीन दिनों से गुनगंमेट मेडिकल कॉलेज की आइसीयू में भर्ती है। दुष्कर्म पीड़िता के शरीर पर बाहरी जख्म के निशान नहीं हैं, अब फॉरेंसिक जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। वहीं मामले में अभी तक किसी भी आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हुई है। बता दें, 13 सितंबर की रात पीड़िता का चार युवकों ने अपहरण कर लिया था। युवकों ने उससे चलीती बोलेरो गाड़ी में दुष्कर्म किया था। पीड़िता के बयान पर चार नामजद के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। चारों एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। उनमें से दो सगे भाई हैं। चंपारण रेंज के डीआइजी ललन मोहन प्रसाद ने कहा कि पीड़िता के स्वस्थ होते ही कोर्ट में बयान दर्ज कराया जाएगा।

वहीं सोमवार को दो सदस्यीय एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) की टीम पहुंची। टीम ने आइसीयू में पीड़िता को जांच की। करीब आधे घंटे तक टीम के सदस्य वहां रहे। सहायक निदेशक अंबालिक त्रिपाठी ने कहा कि युवती के

सरकारी सुविधाओं के बकाया मामले में उत्तराखंड के चार पूर्व मुख्यमंत्रियों को नोटिस

जागरण संवाददाता, नैनीताल : हाई कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्रियों से बकाया भत्ता समेत अन्य सुविधाओं का बकाया वसूली माफ करने के आदेश के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर चारों पूर्व मुख्यमंत्रियों को तीन सप्ताह में जवाब दाखिल करने के आदेश दिए हैं। पूर्व मुख्यमंत्रियों में महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को भी नोटिस जारी किया गया है। अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी।

सोमवार को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश रंगनाथन व न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की खंडपीठ में देहरादून की रुल लिटिगेशन एंड इन्टाइटलमेंट (रूलक) संस्था की जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में कहा गया है कि हाई कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्रियों बीसी खंडूड़ी, विजय बहुगुणा, डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक व भगत सिंह कोश्यारी से बकाया वसूली के आदेश दिव श्रे, मगर इन सभी को व्यक्तिगत रूप से फायदा पहुंचाने के मकसद से सरकार ने इन सभी का बकाया माफ करने के लिए आदेशादेश जारी कर दिया है, जो असंवैधानिक हैं। राज्य सरकार ने शक्तियों का दुरुपयोग कर कोर्ट के आदेश के विपरीत आदेशादेश पारित किया है।

बदहाली

92 वर्षीय संगीतकार को मिल चुका है पद्मश्री व राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, उनके बैंक खाते में सिर्फ एक रुपये होने की आई थी खबर

वामपंथी नेता गोविंद पानसररे हत्या मामले की जांच रिपोर्ट से बांबे हाई कोर्ट नाखुश



मुंबई, प्रे़्ट : बांबे हाई कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह सीपीआइ नेता गोविंद पानसरके की हत्या पर महाराष्ट्र सीआइडी की विशेष जांच टीम (एसआइटी) द्वारा सौंपी गई जांच रिपोर्ट से खुश नहीं है। जस्टिस एससी धर्माधिकारी और जस्टिस गौतम पटेल की पीठ ने एसआइटी की रिपोर्ट को देखने के बाद कहा कि इस रिपोर्ट में प्रकरण की जांच के संबंध में एसआइटी की ओर से उठाए गए किसी स्वतंत्र कदम का जिक्र नहीं किया गया है। ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे मामले की जांच आगे ही नहीं बढ़ रही है। कोर्ट ने यह टिप्पणी पानसर और वामपंथी विचारक नरेंद्र दाभोलकर के रिश्तेदारों द्वारा दोनों की हत्या की कोर्ट की निगरानी में जांच संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए की।

पीठ ने कहा कि पिछले दिनों कोल्हापुर में आई बाढ़ के चलते पुलिस अधिकारी पानसरे मामले की जांच को लेकर कुछ खास नहीं कर पाए हैं। हम इस दलील को स्वीकार करते हैं और इसलिए मामले में हम कोई कड़ा आदेश



वनराज भाटिया।

फाइन फोटो

नहीं बता पाई। वनराज की देखभाल उनके घरेलू सहायक सुजीत कामत पिछले दस साल से कर रहे हैं। कामत के मुताबिक, वनराज की छोटी बहन मंजू कनाडा में रहती थीं। उनका निधन हो चुका है। भांजा-भांजी उनका हालचाल लेने आते रहते हैं। कभी-कभी कुछ दोस्त भी मदद करते हैं। वनराज

दाभोलकर मामले की जांच कर रही सीबीआइ ने प्रगति रिपोर्ट पेश की

इससे पहले दाभोलकर मामले की जांच कर रही सीबीआइ ने अपनी जांच पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। जांच एजेंसी के वकील और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अमिल सिंह ने कोर्ट को बताया कि सीबीआइ मामले में इस्तेमाल किए गए हथियारों का पता लगाने पर काम कर रही है और इसमें लगभग चार सप्ताह का समय लग सकता है। कोर्ट ने सीबीआइ के अनुरोध को स्वीकार करते हुए सुनवाई अगले महीने तक स्थगित कर दी। बता दें कि दाभोलकर की पु्ठे में 20 अगस्त 2013 को सुहब की सैर के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जबकि पानसर के को 16 फरवरी, 2015 को कोल्हापुर में गोली मारी गई थी और कुछ दिनों बाद 20 फरवरी को उन्होंने दम तोड़ दिया था।

अस्थमा से भी पीड़ित है। बताया जाता है कि भाटिया ने अपना पैसा शेयर बाजार में लगाया था, जो साल 2000 में डूब गया। इस वजह से उनके पास कोई बचत नहीं है।

श्याम बेनेगल की नौ फिल्मों में दे चुके हैं संगीत : वनराज भाटिया को गोविंद निहलानी की टीवी सीरीज तमस के लिए सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। वर्ष 2012 में संगीत और कला में अहम योगदान के लिए भारत सरकार ने वनराज को पद्मश्री से सम्मानित किया था। 1927 में मुंबई में जन्मे भाटिया ने लंदन के रॉयल एकेडमी ऑफ म्यूजिक से संगीत की शिक्षा हासिल की थी। उन्होंने कई विज्ञापनों के जिंगल्स, फिल्मों और टीवी धारावाहिकों में संगीत दिया। श्याम बेनेगल की नौ फिल्मों अंकुर, भूमिका, मंथन, जुनून, कल्युग, मंडी, त्रिकाल, सूरज का सातवां घोड़ा और सरदारी बेगम में भी उन्होंने संगीत दिया है। इसके अलावा जाने भी दो यारो और ट्रेवल्सक फिल्मों में भी उनका संगीत सुना गया। उनका आखिरी काम ओपेरा था, जिसका नाम अग्निवर्षा था। उसका मंचन न्यूयॉर्क में किया गया था।

भारतीय ने उबर एप में खोजी खामी,मिला 4.6 लाख रुपये का इनाम

नई दिल्ली, आइएनएस : एप के जरिये कैब सर्विस देने वाली कंपनी उबर ने अपने एप में बग (खामी) खोजने वाले भारतीय आनंद प्रकाश को 6,500 डॉलर (करीब 4.6 लाख रुपये) का इनाम दिया है। साइबर सुरक्षा में शोध करने वाले प्रकाश ने जो बग ढूंढा था उसके जरिये कोई भी उबर यूजर किसी अन्य के अकाउंट को नियंत्रित कर सकता था। उससे उबर ही नहीं, बल्कि उबर इट्स के अकाउंट को भी नियंत्रित किया जा सकता था। यह बग एप के एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस में मौजूद था। कंपनी का कहना है कि उसने खामी दूर कर दी है।

बेंगलुरु में रहने वाले प्रकाश ने पहले भी उबर का एक बग दूर किया था। उसके जरिये कोई भी व्यक्ति जीवनभर मुफ्त में उबर कैब की सेवा ले सकता था। प्रकाश ने चेन्नई स्थित वेल्गोरो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से कंप्यूटर साइंस में स्नातक किया है। 2014 में ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट में सिस्कोरिटी इंजीनियर के तौर पर उन्होंने करियर की शुरुआत की थी। फिलहाल वह फुडटेक स्टार्टअप फ्रेशमेन्यु के लिए काम कर रहे हैं। 2016 में उन्होंने अपना साइबर सिस्कोरिटी स्टार्टअप एससिक्वोरु शुरू किया था।

कई वेवसाइट दे चुकी हैं इनाम : साइबर सिस्कोरिटी के क्षेत्र में अहम योगदान के लिए उन्हें फोर्ब्स की '30 अंडर 30 एशिया' सूची में भी शामिल किया जा चुका है। बिना अकाउंट के लॉग इन करने के लिए फेसबुक ने उन्हें 15 हजार डॉलर (करीब 10.72 लाख रुपये) का इनाम दिया था। उबर से मुफ्त में कैब बुक करने के लिए भी उन्हें 5,000 डॉलर (करीब 3.5 लाख रुपये) का इनाम मिला था।

भारत, सिंगापुर व थाईलैंड की नौसेनाओं ने शुरू किया पहला संयुक्त अभ्यास

आतंकवाद के खिलाफ भारत व थाईलैंड के एक अन्य द्विपक्षीय युद्धाभ्यास का मेघालय में आगाज

वायु में होने वाले युद्धाभ्यासों के तहत तोप व बंदूक चलाने, सुरक्षा बलों की रक्षा के उपाय व संचार अभ्यास आदि का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान तीनों देशों की सेनाएं एक दूसरे का अनुभव साझा करेंगी। पांच दिवसीय इस अभ्यास का उद्देश्य तीनों देशों के बीच समुद्री संबंधों को मजबूत करना है।

उधर, सेना ने एक बयान में बताया, मेघालय के उमरोई में भारत व थाईलैंड की टुकड़ियां मिसाइल, अग्न्यास्त्र, प्रदर्शन, टुकड़ियों व प्रक्रिया आदि के माध्यम से आतंकवाद विरोधी अभियान के लिए प्रशिक्षण के दौरान अपने अनुभव साझा करेंगी। इसका समापन 48 घंटे लंबे संयुक्त युद्धाभ्यास से होगा। इसमें लॉन्ग रेंज समुद्री टोही विमान पी8आइ हिस्सा लेंगे। पोर्ट ब्लेयर में बंदरगाह चरण के दौरान पेशेवर अदलाबदली व एक दूसरे के जहाजों पर जाकर प्रवेश आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। समुद्री चरण का आयोजन 18 से 20 सितंबर तक किया जाएगा। इसमें सतह व

गोदावरी नाव हादसे में लापता लोगों का नहीं मिल रहा सुराग

देवीपटनम (आंध्र प्रदेश), एएनआइ : आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में गोदावरी नदी में नाव दुर्घटना में लापता लोगों की तलाश जारी है, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिल रहा है। सोमवार को नौसेना का एक हेलीकॉप्टर लगभग सवा तीन घंटे तक दुर्घटना स्थल और आस-पास के इलाके में लापता लोगों, शवों की तलाश करता रहा। लेकिन जीवित बचे लोगों और शवों की बात तो दूर नाव का भी कहीं दूर-दूर तक कोई पता नहीं चला।

नौ सेना ने बताया कि यूएच 3 एच हेलीकॉप्टर राजमुंदरी एयरपोर्ट से सुबह साढ़े सात बजे उड़ा था और दिन में ग्याह बजे वापस आ गया। उसके बाद दूसरे चेतक हेलीकॉप्टर को तलाशी अभियान में भेजा गया। रविवार दोपहर बाद हुए घटना में नौ लोगों की मौत हो गई थी। 27 लोगों को बचा लिया गया है, जबकि 25 मारकर हत्या कर दी गई थी जबकि पानसर के नौ सदस्यों के साथ 61 लोग सवार थे।

लापता लोगों की तलाश जारी: हादसे के बाद लापता हुए लोगों की तलाश

मोदी के जन्मदिन पर देश भर में लगंगे साढ़े सात लाख पौधे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अधीन देश के 700 से अधिक कृषि विज्ञान केंद्र साढ़े साढ़े सात लाख से अधिक छायादार व फलदार पौधे लगाएंगे। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा सप्ताह के तहत आयोजित किया जाएगा।

इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च (आईसीएआर) के उपमहानिदेशक डॉ. एके सिंह ने बताया कि इसके लिए देश के सभी जिलों के कृषि विज्ञान केंद्रों पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। देशव्यापी इस कार्यक्रम का मुख्य आयोजन 17 सितंबर को मध्य प्रदेश के भुर्गना जिले में किया जाएगा, जहां इसका शुभारंभ केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर करेंगे। डॉ. सिंह ने बताया कि देश में फिलहाल कुल 714 कृषि विज्ञान केंद्र हैं। इनमें प्रत्येक में एक हजार से अधिक पौधे लगाए जायें हैं। सभी केंद्रों पर किसान सम्मेलन आयोजित होंगे और सांकेतिक तौर पर कुछ पौधे लगाए जाएंगे। इसके बाद किसानों को लगाने के लिए पौधे सौंपे जायेंगे।

जन्मस्थान को देवता मानने का मुस्लिम पक्ष ने किया विरोध



माला दीक्षित, नई दिल्ली

अयोध्या राम जन्मभूमि मामले में सोमवार को मुस्लिम पक्ष ने जन्मस्थान को देवता मानते हुए न्यायिक पक्षकार बनाने का विरोध किया। मुस्लिम पक्ष के वकील यजीव धवन ने कहा कि अगर ऐसा मान लिया जाता है तो बाकी सभी पक्षों और धार्मिक विश्वास रखने वालों के अधिकार खत्म हो जाएंगे। यहां तक कि कोर्ट भी कुछ नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि जन्मस्थान को न्यायिक पक्षकार नहीं माना जा सकता। बहस मंगलवार को भी जारी रहेगी।

सुनवाई के दौरान जब जस्टिस एसए बोबडे ने धवन से सवाल किया कि रामलला के मुकदमें में पक्षकार नंबर एक (रामलला विराजमान) और पक्षकार नंबर दो (जन्मस्थान) की कानूनी हैसियत क्या है। धवन ने कहा कि पक्षकार नंबर एक मूर्ति है जो कि देवता है। देवता का संपत्ति पर मालिकाना हक हो सकता है। देवता सेवादार या निकट मित्र के जरिए अपने मालिकाना हक का दावा कर सकते हैं। देवता पर मुकदमा करने की कानून में तब समयसीमा और प्रतिकूल कब्जे का सिद्धांत लागू होगा, लेकिन पक्षकार नंबर दो यानी राम जन्मस्थान एक क्षेत्र है जिसे विश्वास के आधार पर देवता कहा गया है। इसे देवता मानने का परिणाम होगा कि उसमें कोई हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। इसके बाद उस पर न तो कोई मालिकाना हक का दावा कर सकता है और न ही उस पर प्रतिकूल कब्जे या समयसीमा का नियम लागू होगा। ऐसे में क्या होगा कि बाबर आया लेकिन वह उस जगह पर मालिकाना हक का दावा नहीं कर सकता। मस्जिद पर मालिकाना हक नहीं हो सकता। औरंगजेब आया लेकिन उसका वहां दावा नहीं हो सकता क्योंकि वह जन्मभूमि है। धवन ने कहा कि रामलला की ओर से दाखिल की गई पूरी अपील में देवता और जन्मस्थान दो अलग कानूनी व्यक्ति बनाए गए हैं। जन्मभूमि को देवता और न्यायिक व्यक्ति इसलिए बनाया गया है ताकि बाकी लोगों और अन्य धर्मावलंबियों के अधिकार उस पर समाप्त हो जाएं। कोर्ट का भी अधिकार न रहे।

धवन ने कहा कि हिंदुओं का पूरा मामला आस्था और विश्वास पर आधारित है। उन्होंने रामलला की ओर से देवकी नंदन अग्रवाल के निकट मित्र बना कर मुकदमा दाखिल किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि ये मुकदमा स्वीकार्ययोग्य नहीं है क्योंकि मामले में पहले से ही सेवक (निर्माते) अखाड़ा का पक्षकार लंबित है। जबतक सेवादार देवता के खिलाफ कुछ न करे तबतक

- कहा, अगर ऐसा हुआ तो बाकी सबके अधिकार हो जाएंगे खत्म
- देवता का संपत्ति पर मालिकाना हक हो सकता है, जन्मस्थान का नहीं

सीजेआइ को 117 पत्र लिखे जाने का मामला उठा

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को अयोध्या मामले में सुनवाई शुरू होने के साथ ही मुस्लिम पक्ष के वकील यजीव धवन ने इस मसले पर एक व्यक्ति द्वारा प्रधान न्यायाधीश जस्टिस रंजन गोगोई को 117 पत्र लिखे जाने के दावे का मामला उठाया। धवन ने कहा कि खुद को पत्रकार बताने वाले उक्त व्यक्ति ने फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया पर दावा किया है कि उसने सीजेआइ को पत्र लिख कर इस मामले पर सुनवाई करने के उनके अधिकार पर सवाल उठाए हैं। इस पर पीठ ने कहा कि रंजिस्ट्री की तरफ से ऐसे किसी पत्र के बारे में उसे जानकारी नहीं दी गई है। पीठ ने धवन से कहा कि आपकी अखमानाना याचिका पर जब हमने 88 वीथी व्यक्ति को नोटिस जारी किया तो आपने कहा था किअखमानाना के कितने मामले दर्ज किए जा सकते हैं और आप कोई मामला दर्ज नहीं करना चाहते।

उसकी जगह किसी अन्य को निकटमित्र बनकर मुकदमा दाखिल करने का अधिकार नहीं है। धवन ने कहा कि 1989 में रामलला की ओर से अलग से मुकदमा दाखिल करने का उद्देश्य वहां नया मंदिर बनवाना और कारसेवा शुरू करना था। अपील में रामजन्मभूमि न्यास को पक्ष बनाया गया है। वास्तव में सारा प्रबंधन न्यास को सौंपे जाने का उद्देश्य था जिस न्यास हक का दावा कर सकता है और न ही उस पर प्रतिकूल कब्जे या समयसीमा का नियम लागू होगा। ऐसे में क्या होगा कि बाबर आया लेकिन वह उस जगह पर मालिकाना हक का दावा नहीं कर सकता। मस्जिद पर मालिकाना हक नहीं हो सकता। औरंगजेब आया लेकिन उसका वहां दावा नहीं हो सकता क्योंकि वह जन्मभूमि है। धवन ने कहा कि रामलला की ओर से दाखिल की गई पूरी अपील में देवता और जन्मस्थान दो अलग कानूनी व्यक्ति बनाए गए हैं। जन्मभूमि को देवता और न्यायिक व्यक्ति इसलिए बनाया गया है ताकि बाकी लोगों और अन्य धर्मावलंबियों के अधिकार उस पर समाप्त हो जाएं। कोर्ट का भी अधिकार न रहे।

देवता क्या होते हैं : जस्टिस बोबडे ने धवन से पूछा कि देवता क्या होते हैं? धवन ने कहा कि देवता या तो मूर्ति स्वरूप में होते हैं या फिर स्वयंप्रकट होते हैं। जस्टिस बोबडे ने कहा कि आपका कहना है कि देवता का कोई आकार नहीं चाहिए हालांकि निश्चित आकार जरूरी नहीं है। लेकिन वह नियकार नहीं हो सकता। धवन ने जवाब दिया कि ईश्वर नियकार हो सकता है लेकिन देवता सृजित होते हैं और उसके बाद सकारात्मक रूप से उनकी प्राण प्रतिष्ठा और पवित्रता की जाती है। जस्टिस अशोक भूषण ने कहा कि हिंदुओं का विश्वास है कि वहां भगवान विष्णु अवतरित हुए थे। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि एक पक्ष देवता की मूर्ति है और दूसरा जन्मस्थान दोनों को मिला कर एक दिव्यता की बात कही गई है। दोनों को मिला कर देखा जा सकता है। धवन ने कहा नहीं जन्मस्थान को पक्षकार मानने के कानूनी परिणाम अलग होंगे।

सजा बढ़ाने की सीबीआइ की मांग पर लालू यादव समेत छह को नोटिस

राज्य ब्यूरो, रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने चार घोटाला मामले में सीबीआइ की याचिका पर सुनवाई करते हुए सोमवार को लालू प्रसाद, आरके राणा सहित छह लोगों को नोटिस जारी किया है। सीबीआइ ने इनकी सजा बढ़ाने को लेकर हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है। इस पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एके गुप्ता और जस्टिस राजेश कुमार की खंडपीठ ने सभी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

सुनवाई के दौरान सीबीआइ के अधिवक्ता राजीव नंदन प्रसाद ने अदालत को बताया कि देवचर कोषागार से अवैध निकासी मामले में सीबीआइ की विशेष निरीक्षण ने लालू प्रसाद, डॉ. आरके राणा, बेक जूलियस, अधीप चंद्र चौधरी, महेश प्रसाद, फूलचंद्र सिंह और सुबीर भट्टाचार्य को साढ़े तीन-तीन साल की सजा सुनाई है, जबकि इसी मामले में जगदीश शर्मा को सात साल की सजा सुनाई गई है। सजा पाने वाले सभी लोग ऊंचे पद पर परस्थापित थे और इन पर उच्चस्तरीय पड़वर्गी रचने का आरोप है। ऐसे में जब मामला साबित हो गया है, तो सभी को एक ही तरह की सजा मिलनी चाहिए।

में उनके वकील और वरिष्ठ कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल वकीलों की एक टीम के साथ उनसे मिलने पहुंचे। उन्होंने जन्मदिन की बधाई देने के साथ-साथ कानूनी मसलों पर विचार-विमर्श भी किया। कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने भी ट्वीट कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

चिदंबरम का संदेश, भगवान इस देश का भला करे : जन्मदिन पर चिदंबरम के परिवार ने उनकी ओर से ट्वीट किया, 'मेरा विचार आज अर्थव्यवस्था के बारे में है। सिर्फ एक आंकड़ा पूरी कहानी बयां कर रहा है। अगर तब मैं नियात वृद्धि दर -6.05 फीसद थी। किसी भी देश ने 20 फीसद प्रति वर्ष की नियात वृद्धि दर के बिना आठ फीसद की जीडीपी वृद्धि दर को हासिल नहीं किया है।' उन्होंने कहा कि वह 74 साल के हो गए हैं, लेकिन दिल से 74 साल के जवान महसूस कर रहे हैं और उनका उत्साह और बढ़ा है।



दैनिक जागरण

अच्छे विचार भी किसी औषधि से कम नहीं होते

मध्यस्थता की मांग

अयोध्या मामले में मध्यस्थता की मांग केबल इसलिए हैशन नहीं करती कि यह तब की जा रही है जब सुप्रीम कोर्ट इस मामले की दिन-प्रतिदिन सुनवाई कर रहा है, बल्कि इसलिए भी करती है, क्योंकि दोनों ओर से केवल एक-एक सदस्य ही आगे आए हैं। मुस्लिम पक्ष से सुन्नी वक्फ बोर्ड और हिंदू पक्ष से निर्वाणी अखाड़ा ने मध्यस्थता समूह से फिर से बातचीत शुरू करने का अनुरोध किया है। कहना कठिन है कि उनके अनुरोध पर सुप्रीम कोर्ट क्या मत व्यक्त करता है, लेकिन क्या यह अच्छा नहीं होता कि सुन्नी वक्फ बोर्ड और साथ ही निर्वाणी अखाड़ा उन सभी को अपने साथ लेते जो इस मामले में वादी-प्रतिवादी की भूमिका में हैं? चूंकि बिना ऐसा किए मध्यस्थता की मांग कर दी गई इसलिए यह अंदेशा होना स्वाभाविक है कि कहीं यह मामले को लटकाने की कोशिश तो नहीं है? इस अंदेशे का एक कारण यह भी है कि दोनों पक्षों के अन्य सदस्य ऐसी किसी मांग से अनभिज्ञता जता रहे हैं। कुछ तो नए सिरे से मध्यस्थता की जरूरत ही खारिज कर रहे हैं। स्पष्ट है कि जब तक दोनों पक्षों के सभी सदस्य मध्यस्थता की मांग नहीं करते तब तक उस पर गौर करने का कोई कारण नहीं बनता। कम से कम मध्यस्थता की इस मांग के चलते अयोध्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट में हो रही सुनवाई तो नहीं ही रुकनी चाहिए। वैसे भी इसकी संभावना कम ही है कि नए सिरे से मध्यस्थता के जरिये किसी सर्वमान्य नतीजे पर पहुंचा जा सकता है। ऐसा तो तभी हो सकता है जब दोनों पक्षों के सभी सदस्य न केवल फिर से मध्यस्थता के लिए तैयार हों, बल्कि उनके पास विवाद के हल का कोई ठोस फार्मूला भी हो।

फिलहाल बेहतर यही होगा कि आपसी बातचीत से किसी समाधान तक पहुंचने की इच्छा रखने वाले पहले किसी फार्मूले पर सहमति बनाने का काम करें। इस बीच सुप्रीम कोर्ट को अपना काम जारी रखना चाहिए, क्योंकि वह 24 दिनों की सुनवाई पूरी कर चुका है। माना जाता है कि 50 प्रतिशत से अधिक सुनवाई पूरी हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट को सुनवाई रोकने के बजाय फैसले तक पहुंचने का काम इसलिए करना चाहिए, क्योंकि अगर नए सिरे से मध्यस्थता या फिर अन्य किसी कारण सुनवाई रुकती है तो मामला लटक सकता है। सुप्रीम कोर्ट इससे अवगत ही होगा कि इस मामले की सुनवाई में खलल डालने के लिए कैसे-कैसे जतन हुए हैं? चूंकि सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ में से किसी न्यायाधीश के सेवानिवृत्त होने की स्थिति में पूरी कवायद नए सिरे से करनी होगी इसलिए ऐसा कुछ नहीं होना चाहिए जिससे समय और संसाधन की बर्बादी हो।

ममता का दिल्ली दौरा

बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी का केंद्र सरकार के साथ सियासी घमासान जगजाहिर है। केंद्र से ममता इतनी नाराज हैं कि वह पीएम नरेंद्र मोदी के शपथग्रहण समारोह में भी नहीं गईं। यहां तक कि नीति आयोग की बैठक से लेकर पीएम मोदी की और भी कई अहम बैठकों से वद दूर रही, परंतु अचानक सोमवार को खबर आई है कि मंगलवार की शाम को ममता दिल्ली जा रही हैं। इस दौरान वह पीएम मोदी से भी मुलाकात कर सकती हैं। यदि सब कुछ सही रहा तो करीब डेढ़ वर्ष बाद बुधवार को ममता मोदी से मिलेंगी। लोकसभा चुनाव में तो तृणमूल प्रमुख ने पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा था। मिट्टी के लड्डू से लेकर पीएम नहीं मानने तक से इन्कार कर दिया था। अब कहल जा रहा है कि ममता ने पीएम मोदी से मुलाकात के लिए वक्त मांगा है। उधर राश्ट्र के प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक यह एक आधिकारिक दौरा है और इसका संबंध बंगाल से है। केंद्र और ममता के कटु संबंधों के बीच अचानक इस दौरे पर सियासी विश्लेषकों की नजरें टिक गई हैं, क्योंकि बालाकोट एयर स्ट्राइक से लेकर जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने और वहां के तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों को नजरबंद करने से लेकर पी चिदंबरम की गिरफ्तारी तक का ममता ने खुलकर विरोध किया था। अभी रिवार को ही अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर ममता बनर्जी ने देश में सुपर इमरजेंसी का आरोप लगाया था। ममता ने लोगों से अपील की कि सबको यह प्रयास करना चाहिए कि संविधान द्वारा मिले अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा करें। उन्होंने इशारों में केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए एक टवीट किया-आइए, आज अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर हम उन वैधानिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लें, जिन पर हमारे देश का निर्माण हुआ था। इस सुपर इमरजेंसी के दौर में हमें संविधान द्वारा मिले अधिकारों और आजादी की रक्षा के लिए सब कुछ करना चाहिए, लेकिन इसके अगले ही दिन ममता के दिल्ली जाने को लेकर चर्चा तेज हो गई है, क्योंकि सारधा कांड में सीबीआई ममता के करीबी आइपीएस आफसर राजीव कुमार को तलाश रही है। रिववार एवं सोमवार को सीबीआई ने राज्य सचिवालय जाकर राजीव कुमार के एजेंसी के समक्ष पेश नहीं होने के संबंध में मुख्य सचिव और गृह सचिव के लिए पत्र दिए हैं। ऐसे में अब ममता का दिल्ली जाना और पीएम से मुलाकात को लेकर चर्चा होना लाजिमी है। माकपा इस मुद्दे पर ममता को एक बार फिर घेरने की कोशिश करेगी।

सही ओहदे के लिए तरसती हिंदी

डॉ. मुरलीधर वादनीवाला

हिंदी को हथियार बनाकर आजादी हासिल कर लेने वाले हम भारतीयों पर हिंदी के प्रति कृतज्ञ कहलाने का ऐसा कलंक लगा हुआ है, जिसे धो डालने की कोशिश कभी नहीं हुई। हजारों साल के संघर्ष भरे इतिहास की ओर मुड़कर जब भी हिंदी अपना चेहरा देखती है, अपने उन घावों को देखकर सिहर जाती है, जो उसके अपनों ने ही दिए। प्राकृत हो या अपभ्रंश, डिंगल हो या पिंगल, वह थी तो हिंदी ही जो जैन संतों, सिद्धों, बौद्धों और राजपुतानों की आवाज बनी।

बीसवीं ओलेन में महत्वा गांधी ने जब स्वदेशी आंदोलन खड़ा किया, तब उसकी नींव में हिंदी ही थी। इस देश को आजाद कराने में क्रांतिकारियों ने भी हिंदी का ही झंडा उड़ाया। भारतेंदु और उनके बाद महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, निराला ने साहित्य की कम, हिंदी की ज्यादा सेवा की। अब हिंदी के लिए पर मिटने वाले कहें? जब हिंदी के लिए आखिरी लड़ाई लड़ने का वक़्त था, तब हम सोचे हुए थे और अब तो हम गहरी नींद में हैं। 1947 में देश तो अंग्रेजों से पिंड छुड़ाकर आजाद हो गया,

हम अंग्रेजों से तो मुक्त हो गए, लेकिन देश को आजाद कराने वाली हिंदी अंग्रेजी की गुलामी करने के लिए छोड़ दी गई

लेकिन देश को आजाद कराने वाली हिंदी अब अंग्रेजी की गुलामी करने के लिए छोड़ दी गई है। देश को आजाद कराने के लिए हिंदी की वकालत करने वाले महात्मा गांधी, नेहरु सहित कोई भी हिंदी के लिए कुछ नहीं कर पाए। गांधी जी ने कहा था कि बिना राष्ट्रभाषा के राष्ट्र गुंजा है, तो समझ लीजिए, हम बेहतर साल से गुंजे ही हैं, क्योंकि अब तक हमारी कोई राष्ट्रभाषा नहीं है। पूरे भारत की तो बात छोड़ दीजिए, हिंदी प्रांतों के सरस्वती-मंदिरों से हिंदी को बाहर खदेड़ने की मुहिम पूरी तरह सफल हो चुकी है। गांव-गांव, शहर-शहर में जितने भी विद्यालय हैं, वहां अंग्रेजी पूजी जा रही है। भारत स्वतंत्र हुआ, उसके पहले तक अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय होते ही नहीं थे। और अब? अंग्रेजों के जमाने में भाषा और शिक्षा के पतन के लिए मैकाले को दोष देते रहे, और अब भी उसे ही

दोषी ठहरा कर हम अपना बचाव कर लेते हैं। हमारे प्रधानमंत्री विदेश जाते हैं, तो हिंदी में बोलते हैं, किंतु स्कूली बच्चों को हिंदी में बोलने की मनाही है। पूरे देश में सभी हिंदी बोल रहे हैं, समझ रहे हैं, लेकिन हिंदी को वाजिब सम्मान देने की बात पर मुंह फिर लेते हैं। यह सब कब तक चलेगा? जब जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने और तीन तलक जैसी सदियों पुरानी परिपाटी को खत्म करने के लिए राज्यसभा और लोकसभा में मत हासिल कर हाथोंहाथ निर्णय लिया जा सकता है, तब हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा देने में कौन सा बड़ा जोखिम है? एक राष्ट्रभाषा के लिए जोखिम उठाना ही पड़े, तो हर्ज क्या है? कोई संदेह नहीं, सब बाधाओं को पार कर हिंदी ही मूर्धाभिषिक्त होगी। हिंदि में रहने वाले एक अरब तीस करोड़ लोगों की सर्व-स्वीकार्य भाषा हिंदी नहीं होगी, खदेड़ने की मुहिम पूरी तरह सफल हो चुकी है। गांव-गांव, शहर-शहर में जितने भी विद्यालय हैं, वहां अंग्रेजी पूजी जा रही है। भारत स्वतंत्र हुआ, उसके पहले तक अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय होते ही नहीं थे। और अब? अंग्रेजों के जमाने में भाषा और शिक्षा के पतन के लिए मैकाले को दोष देते रहे, और अब भी उसे ही

(लेखक भारतीय संस्कृति एवं भाषा के विद्वान हैं)



रशीद किवदई

पंजाब में लंबे अरसे तक चले उग्रवाद के दौरान हजारों निर्दोष मारे गए, लेकिन उन पर सिख विरोधी दंगों की तरह कोई राजनीतिक विमर्श शुरू नहीं हुआ

वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों की कुछ वें फाइलें नए सिरे से खुल गई हैं, जिनमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ का भी नाम है। यह एक तरह से कांग्रेस नेतृत्व को चुनौती है। सोनिया गांधी और कांग्रेस के लिए यह मुनासिब वक़्त है कि वह 1984 की राजनीतिक परिस्थितियां स्पष्ट करें। बताएं कि तब उग्रवाद और अत्यागवाद के चलते पंजाब के क्या हालात थे? कांग्रेस ऐसा करके ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के इस दांव का सामना कर सकती है। हालांकि किसी भी सभ्य एवं लोकतांत्रिक समाज में जनमत के लिए प्रस्तुत किए गए तर्कों को गलत हो जाना कोई नई बात नहीं। इसके बावजूद कांग्रेस यह तो बता ही सकती है कि वर्ष 1992-97, 2007-2012 और 2017 से अब तक पंजाब में जब कांग्रेस का शासन रहा तब उस दौरान गण्य किन परिस्थितियों से गुजरा। दिल्ली में भी शीला दीक्षित के नेतृत्व में कांग्रेस 15 वर्षों तक सत्तारूढ़ रही और उस समय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व सोनिया गांधी की हथ्यों में था। 1984 के सिख विरोधी दंगे बहुत भावुक और संवेदनशील मामला है। लिहाजा उन पर चर्चा करते हुए राहुल गांधी पूरी तरह सचेत रहते हैं। इंग्लैंड के सांसदों और स्थानीय नेताओं के साथ वार्ता में राहुल गांधी ने कहा, 'उसे लेकर मेरे दिमाग में कोई शंका नहीं है। वह एक त्रासदी थी, एक दुखद अनुभव। आप कहेंगे है कि कांग्रेस पार्टी उसमें

लिप्त थी। मैं इससे सहमत नहीं हूं। वह तो बस मारकाट और एक त्रासदी थी।' इसके विपरीत अर्णब गोस्वामी को दिए एक साक्षात्कार में राहुल गांधी ने स्वीकार किया था कि 1984 के सिख विरोधी दंगों में कुछ कांग्रेसी लिप्त थे। इस साक्षात्कार के दौरान कुछ इस तरह की बातें हुई थीं: अर्णब: क्या सिख विरोधी दंगों में कांग्रेसी लिप्त थे? राहुल: शायद कुछ कांग्रेसी लिप्त रहें होंगे। अर्णब: क्या पीड़ितों को इंसाफ मिला? राहुल: एक कानूनी प्रक्रिया होती है, जिससे उन्हें गुजरना पड़ा। अर्णब: आप स्वीकार करते हैं कि कुछ कांग्रेसी इसमें लिप्त रहे होंगे? राहुल: कुछ कांग्रेसियों को इसके लिए सजा दी गई। अपनी राजनीतिक और चुनावी मजबूरियों के तहत राहुल गांधी वे बातें नहीं कह सके जो 1999 में दक्षिण दिल्ली से लोकसभा चुनाव लड़ते वक़्त डॉ. मनमोहन सिंह ने कही थीं। हालांकि पूरे दमखम से चुनाव लड़ने के बावजूद उन्हें भाजपा के विजय कुमार मल्होत्रा के हाथों हर का सामना करना पड़ा था। 1999 के चुनाव में मनमोहन सिंह ने उन दंगों के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को जिम्मेदार लड़ने की कोशिश की थी। 2 सितंबर 1999 को दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. मनमोहन सिंह



अग्नेश राजगुट

ने 1984 के सिख विरोधी दंगों को 'एक काला धब्बा और बेहद दुखद घटना' करार दिया था। इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इसमें बतौर संगठन कांग्रेस का कोई हाथ नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज एफआईआर से साबित होता है कि इन दंगों में आरएसएस के कई कार्यकर्ता लिप्त थे। बाद में मनमोहन सिंह ने सफाई दी कि इन दंगों के लिए उन्होंने पूरे तौर पर आरएसएस को जिम्मेदार नहीं ठहराया था। 13 दिसंबर 1999 को उन्होंने कहा, 'चुनावी फायदा उठाने के लिए मेरे बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। मैंने कहा था कि कांग्रेस, आरएसएस या अन्य संगठनों से जुड़े जो भी लोग इन दंगों में लिप्त थे, उन्हें इसकी सजा जरूर मिलनी चाहिए।' 1984 के दंगों में हुए सिखां के नरसंहार पर 11 अगस्त, 2005 को बतौर प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने राज्यसभा में बिना शर्त माफ़ी मांगी थी। उस वक़्त उन्होंने जो कुछ बोला उसमें से आरएसएस का नाम गायब था। उन्होंने कहा कि वे किसी 'झूठे सम्मान' की खातिर नहीं खड़े हैं और उनका सिर शर्म से झुका हुआ है। उन्होंने तब 1999 की एक घटना भी याद

की कि कैसे उस वक़्त वह हरमंदिर साहिब में सोनिया गांधी के साथ थे और 'दोनों ने यह दुआ की कि हमें हिम्मत दें और राह दिखाएं कि अपने देश में दोबारा ऐसी घटनाएं कभी न हों।' उन्होंने यह भी कहा कि 'इंसान होने के नाते हमें गर्व है और हममें इतनी प्रतिभा है कि सबके लिए भविष्य की नई इबारत लिख सकें।' कांग्रेस का एक प्रभावशाली वर्ग निजी तौर पर मानता है कि सिख विरोधी दंगे जैसे संवेदनशील मामले में राहुल गांधी लिबरल और वामपंथी विचारकों से प्रभावित हैं, अन्यथा वह यह भी बता सकते थे कि मनीष तिवारी और अजय माकन जैसे कांग्रेस के नेताओं ने खुद पंजाब में फैले आतंकवाद के दंश झेले हैं। मनीष तिवारी के पिता डॉ. वीएन तिवारी प्रोफेसर और लगभग 40 किताबों के लेखक थे। 1984 में आतंकवादियों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी। इसी तरह अजय माकन के भाई, सांसद और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकरदयाल शर्मा के दामाद ललित माकन की 31 जुलाई, 1985 को दक्षिण दिल्ली में एक खीपनाक हमले में हत्या कर दी गई थी। सरकारी संरक्षण में होने वाली हिंसा और

जन भागीदारी वाली सरकार

बीते सात सितंबर को रात एक बजकर 40

मिनट पर जब देश की नजरें मिशन चंद्रयान पर टिकी थीं तब इस मिशन के अंतिम कुछ मिनटों में ऐसी परिस्थिति पैदा हुई कि लोगों की सांसें अटक सी गईं। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इसरो मुख्यालय में मौजूद थे। रात करीब दो बजे जब चंद्रयान से लैंडर विक्रम का संपर्क टूटने की बात सामने आई तब इसरो के वैज्ञानिकों के साथ अनौपचारिक बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा उसकी अपेक्षा एक कुशल नेतृत्वकर्ता से ही की जा सकती थी। उन्होंने कहा, 'जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। आप लोगों ने जो किया वह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। देश आप पर ग्वं करता है। आपकी मेहनत ने बहुत कुछ सिखाया है। विज्ञान में असफलता नहीं होती, सिर्फ प्रयोग और प्रयास होते हैं।' प्रधानमंत्री मोदी के ये शब्द उन कठिन क्षणों में इसरो के वैज्ञानिकों सहित देश के करोड़ों नागरिकों को हौसला और भरोसा देने वाले थे। किसी भी देश अथवा समाज में जननायक वह होता है जो वृहद समाज की अपेक्षाओं को पूरा करने का न सिर्फ हौसला देता है, बल्कि अपनी कारगर रणनीति से विषम परिस्थितियों में लोगों में भरोसे का भाव जागृत कर उन परिस्थितियों से उबरने की क्षमता भी पैदा करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले कार्यकाल में इसी नीति को ईमानदारी से जनता के बीच रखते हुए निडर होकर फैसले लिए। तात्कालिक परिणाम और अस्थायी समाधान के दिखावटी एवं आधे-अधूरे प्रयासों के बजाय उन्होंने स्थाई समाधान तलाशने की प्रवृत्ति को बल दिया। इसी कारण उन्हें व्यापक समर्थन मिला। एक तरह से प्रधानमंत्री मोदी के पिछले कार्यकाल के अनवरत प्रयासों पर जनता के भरोसे का ही प्रतिफल 2019 का जनएद है।

भारतीय राजनीति के लिए वर्तमान कालखंड विश्वास और स्वाभिमान से ओतप्रोत है। यह सच है कि प्रत्येक समाज में लोगों की कुछ व्यक्तिगत आकांक्षाएं होती हैं, किंतु इसके समानांतर वहीं समाज एक सक्षम एवं सजल नेतृत्व की आवश्यकता भी महसूस करता है। यह भी सच है कि बेशक राजनीति सबकी रूचि का क्षेत्र नहीं होती, परंतु किसी न किसी रूप में सबका जीवन इससे प्रभावित होता है। यही कारण है कि राजनीति अथवा राजनेताओं से हर व्यक्ति कुछ न कुछ अपेक्षाएं जरूर रखता है। नरेंद्र मोदी ने जनता की अपेक्षाओं को किसी संकुचित सीमा में बांधने के बजाय उन्हें पूर्ण क्षमता तक उड़ान के अवसर में तब्दील किया है। इससे भी एक कदम आगे बढ़कर



भूपेंद्र यादव

यह वह दुर्लभ कालखंड है जब सरकार और जनता एकजुट होकर देश के विकास को गति देने का काम कर रही है



उन्होंने न सिर्फ अपेक्षाओं को विस्तार दिया है, बल्कि लोगों में आत्मविश्वास का भाव भी जगाया है। भारत जैसे विविधतापूर्ण राष्ट्र में शासन में रहते हुए, जनाकांक्षाओं को समेटे हुए और सबके विश्वास के साथ आगे बढ़ते हुए जननायक का दर्जा हासिल करना सरल नहीं है, क्योंकि यहाँ शासन से इतर ही जननायक अधिक रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली का सबसे बड़ा पक्ष उनका सकारात्मक दृष्टिकोण है। मुझे गुजरात में सद्भावना मिशन में शामिल होने का अवसर मिला था। वह नरेंद्र मोदी के खिलाफ तत्कालीन संग्रम सरकार द्वारा रचे गए षड्युद्धों का दौर था। सद्भावना मिशन के दौरान उपवास पर रहे नरेंद्र मोदी ने कहा था, 'जो पत्थर हम लोगों पर फेंके गए, उनका इस्तेमाल हम लोगों ने सीढ़ी बनाने में किया।' इसके बाद 2014 में जब वह पूर्ण बहुमत के साथ चुनकर देश के प्रधानमंत्री बने तब उनका यह कहना, 'मेरी सरकार गरीब कल्याण को समर्पित है', उन्हें सकारात्मकता के सच जगहित में कुछ कर गुजरने वाले विराट छवि के जननेता के रूप स्थापित करता है। उनके व्यक्तित्व में युगानुकूलता भी है और परंपरा की गहरी समझ भी।

देश में हो रहे बहुमुद्दी बदलावों के क्रम में भारतीय लोकतंत्र में भी बदलाव हो रहे हैं। 2019 के चुनावों में देश ने वंशवाद, जातिवाद और तुष्टीकरण की राजनीती को

नकारते हुए राजनीति की धारा को एक सकारात्मक दिशा में मोड़ने में सफलता हासिल की है। चूंकि एक परिपक्व संसदीय लोकतंत्र में राजनीतिक दलों को भी सर्वस्वीकृत और सक्षम नेतृत्व चाहिए होता है, चाहे परिवार हो, संस्था हो, समूह हो-सबकी मजबूती नेतृत्व की स्वीकार्यता और विश्वसनीयता पर टिकी होती है। भारतीय लोकतंत्र में एक पार्टी के प्रभुत्व को हटाने का कार्य अगर भाजपा सफलतापूर्वक कर सकी तो इसका कारण यही है कि इसके शीर्ष नेतृत्व ने अपने कार्यों से जनता में लोकप्रियता हासिल की। यह स्वीकार करने में संदेह नहीं होना चाहिए कि 'कोई नृप होऊ, हमें का हानि' कहने वाला समाज अब शासन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहा है। यह सरकार के साथ इस विश्वास के साथ खड़ा है कि उसकी सकारा जनभागीदारी की सरकार है। आज भारत के पास जनभागीदारी से सरकार चलाने वाला एक संवादप्रिय जननेता है। पीएम मोदी के 'मन की बात' में देश अपने मन में छपड़े वाली आशाओं को तलाशने और पाता है।

देशवासियों को यह भरोसा है कि उनका नेतृत्वकर्ता अपनी परंपरा और आस्था के प्रतीकों की गहरी समझ रखने के साथ-साथ भारतीयता के मूल्यों को जीने वाला भी है। प्रधानमंत्री मोदी आम भारतीयों के पुरुषार्थ और ईमानदारी को भरपूर सम्मान देते हैं और उसे आगे बढ़ने का उत्साह भी देते हैं। देश के माास में उनके प्रति अटूट विश्वास के पीछे यह बड़ी वजह है। समन्यय का संकल्प और सबको लोकर चलने की मंशा मोदी सरकार के पिछले और वर्तमान कार्यकाल में स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। स्वच्छता, पर्यावरण और जलशक्ति जैसे बिषयों को प्रधानमंत्री मोदी ने करीब से छूने और शासन ऐतिहासिक रूप से प्रधानमंत्री मोदी की बड़ी राजनीतिक उपलब्धि हैं। भारत की राजनीति में यह दुर्लभ कालखंड है, जब सरकार और जनता एकजुट होकर देश के विकास को गति देने का काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास के नए आयामों को छुएगा, ऐसा विश्वास सभी को है।

(लेखक राज्यसभा सदस्य एवं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव हैं)

response@jagran.com



जीवन के मार्ग

मार्ग सीधे हों तो उन पर चलने में आनंद नहीं आता। राह पर चलने के लिए घुमाव और टेढ़े-मेढ़े मोड़ आने बेहद जरूरी हैं। यदि व्यक्ति के पास बहुत अधिक सुख सुविधाएं हों तो वह आराम से जीवन जीता है। इसके विपरीत यदि विपरीत परिस्थितियां हों तो दो वक्त की रोटी के लिए मनुष्य को जान हथेली पर लेकर घूमना पड़े तो वह यह भी करता है। व्यक्ति बहुत जल्दी आदतों और परंपराओं का शिकार हो जाता है। इस कारण वह सदियों से चली आ रही रूढ़ियों एवं धारणाओं में विश्वास करता है। यहीं वह गलती करता है और अनेक उन आविष्कारों का सुजन करने से चूक जाता है, जिनका सृजन वह सरलता से कर सकता था।

ऑर्थर कॉनन डायल की कहानी 'सिल्वर ब्लेज' में शेरालक होम्स अपराध की गुथी सुलझाने में लगा हुआ है। वह कहानी में लगभग उन सभी बातों पर ध्यान देता है जिन्हें आमतौर पर लोग अनदेखा कर आगे बढ़ते चलते हैं। वह यह देखता है कि कहानी में कुत्ता भौंका नहीं था, इसका मतलब अपराध करने वाला जानकार होगा, क्योंकि अनजान व्यक्ति पर कुत्ता अवश्य भौंकता है। यह एक छोटी सी बात है जिसे सहजता से नजरअंदाज किया जा सकता है, लेकिन इसे नजरअंदाज करने से ही अपराधी की पकड़ दूसरी ओर मुड़ जाती है और वास्तविक अपराधी तक पहुंचने में समय लगता है। यह कहानी इस बात का उदाहरण करती है कि लोग आमतौर पर उन बातों पर ध्यान नहीं देते जिन्हें नकारात्मक संकेत कहा जाता है। सकारात्मक जानकारी पर ध्यान देना व्यक्ति की मनोवृत्ति है। अधिकतर लोग सिर्फ उसी पर गौर करते हैं जो वे सुन और देख रहे हैं। खामोशी और चुपकी के पीछे भी अनेक राज छिपे होते हैं, इसलिए जीवन में उन पर भी गौर करनी जरूरी है। कई क्षेत्रों में असफलता के पीछे भी यही कारण प्रमुख होता है। यह एक दुर्भाग्यदा वाली बात है जब नजर रखी जाने से कई बार राहें सरल हो जाती हैं। यकीन मानिए कई बार बेवजह और सुप्त सी पड़ी चीजों पर नजर डालकर चमत्कार किए जा सकते हैं।

रेनु सेंसी

मेलबाक्स

भाषा सहज और सर्वग्राही है। इस दृष्टि से हिंदी की भाषाई दुरुहता को सहजता में बदलने की जरूरत है, फिर चाहे भले ही अन्य भाषाओं के प्रचलित शब्दों को हिंदी के शब्दकोश में समाहित क्यों न करना पड़े।

डॉ. वीपी पाण्डेय, अलीगढ़

हिंदी को मिले बढ़ाव

हिंदी भाषा भारतीय संस्कृति का मूल है। हिंदी के प्रति सरकार तथा हिंदी प्रेमियों को दृढ़ इच्छाशक्ति से कार्य करना चाहिए। हिंदी भाषा में रोजगार के मार्ग प्रशस्त करके सरकार लोगों को गर्व की अनुभूति कराए। राष्ट्र के प्रति स्नेह, देशभक्ति और भारत की धरती से मातृत्व सा वात्सल्य इसी भाषा से मिलता है। विदेशी भाषाओं के वातांलापों से हम अपने देश के अपने ही लोगों में जानी नहीं बन सकते हैं। हमको यह समझना होगा कि जो लोग अपनी मातृभाषा का सम्मान नहीं कर सकते वह देश का सम्मान कैसे कर सकते हैं? आज हिंदी के ज्ञान को विद्यार्थियों ने अरुचिकर समझकर हिंदी पुस्तकों से दूरी बनानी शुरू कर दी है। यह अत्यंत ही दुःखद अहसास कराने वाले कृत्य है। हिंदी भाषा जन-जन की भाषा बने इसके लिए सरकार के साथ-साथ आम जन को भी इसके प्रचार और प्रसार करने की जरूरत है।

आचार्य राम कुमार बघेल, पलवल

प्लास्टिक में उलझी जिंदगी

प्लास्टिक की खोज निश्चित रूप से एक बड़ी उपलब्धि रही होगी, लेकिन इसने जिंदगी के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रखा है। आज हालात ऐसे बन गए हैं कि इसको निमालना-

उगलना दोनों ही मुश्किल हो गया है। सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल हर जगह हो रहा है। प्रधानमंत्री ने इसके प्रयोग को बंद करने की बात कही है, लेकिन इसका विकल्प क्या है? घर के रोजमर्रा के सामान से लेकर दवाई आदि सब कुछ तो प्लास्टिक में पैक है। वैज्ञानिकों को कोई ऐसी चीज निकालनी होगी, जिसमें चीजें सुरक्षित रखी जा सकें और वह पर्यावरण के अनुकूल भी हो।

kmishra15yahoo.in

किसानों को पेंशन

मोदी सरकार ने किसानों को आर्थिक एवं सामाजिक मजबूती देने के लिए प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना की शुरुआत की है। यह इस वर्ष प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के बाद दूसरी योजना है जिससे किसानों को आर्थिक मदद दी जा रही है। यह पेंशन योजना भविष्य में किसानों के लिए लाभदायक तो होगी, परंतु सरकार को वर्तमान समय में कृषि विकास दर में गिरावट एवं किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारने के बारे में भी सोचना होगा।

shish.sharmav0210gmail.com

इस संतंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकप्रश्न सादर आमंत्रित है। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें : दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण, डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा ई-मेल: mailbox@jagran.com



विवेक ओझा

अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार

भारत द्वारा प्राकृतिक आपदाओं से निपटने वाली अवसंरचना हेतु एक वैश्विक संगठन के गठन का प्रस्ताव कुछ समय से सुर्खियों में था। भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 13 अगस्त 2019 को इंटरनेशनल कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेंजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर के गठन को और इसके सचिवालय को दिल्ली में गठित करने को मंजूरी दे दी है। इसे 23 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय न्यूयार्क में लॉन्च किया जाना प्रस्तावित है। भारत सरकार ने इस बात की मंजूरी दी है कि इस संगठन के सचिवालय का गठन सोसायटीज पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक सोसायटी के रूप में किया जाएगा। इससे संबंधित जिम्मेदारी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को दी गई है। अगस्त माह में ही कैबिनेट ने इस नए संगठन के सचिवालय के लिए 480 करोड़ रुपये व्यय करने को भी मंजूरी दे दी है।

भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय सौर संगठन की तर्ज पर एक बार फिर इंटरनेशनल कोएलिशन ऑन डिजास्टर रेंसिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर के गठन और उसके सचिवालय के गठन का प्रस्ताव करते हुए पर्यावरण के प्रति अपनी सक्रियता व गंभीरता दिखाई है। 27 जून, 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 के ओसाका समिट के दौरान ही जापन के प्रधानमंत्री शिंजो अबे के साथ हुई बैठक में ग्लोबल कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेंसिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर के गठन का मुद्दा उठाया और उससे इस विषय पर समर्थन मांगा। हाल ही में इस बात पर सहमति बनी है कि भारत और ब्रिटेन इसी माह आयोजित होने वाले यूएन क्लाइमेट समिट में मिलकर इस वैश्विक संगठन को लॉन्च करेंगे। जापान ने भी इसके समर्थन की बात की है।

हैंबर्ग में मोदी ने की थी पहल

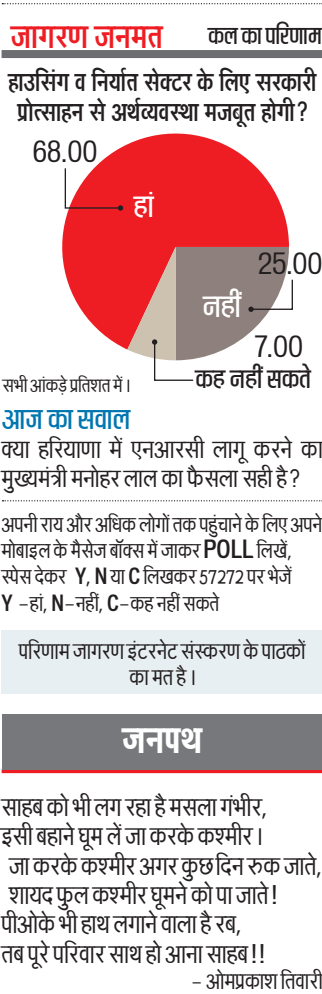
वैसे तो इस प्रकार के वैश्विक संगठन के गठन का प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2017 के जर्मनी के हैंबर्ग में आयोजित जी-20 समिट में ही कर दिया था। लेकिन हाल के समय में भारत ने इस दिशा में कुछ ऐसे काम किए जिससे समूचे वैश्विक समुदाय का ध्यान इस तरफ आकर्षित हुआ है। सबसे पहले तो वर्ष 2020 के लिए भारत को सर्वसम्मति से ग्लोबल फेसिलिटी फॉर डिजास्टर रिडक्शन एंड रिकवरी (जीएफडीआरआर) का सह अध्यक्ष चुना गया है। इसकी अध्यक्षता करने वाले संगठनों में शामिल होने वाले संगठन इस प्रकार हैं- एसीपी यानी अफ्रीका कैरिबियन एंड पेंसिफिक ग्रुप ऑफ स्टेट्स, यूरोपीय संघ और विश्व बैंक। भारत को जीएफडीआरआर के परामर्शकारी



अमेरिका में एनआरआई दोस्तों के बीच कई दिनों से चर्चा थी कि पीएम मोदी के कार्यक्रम में राष्ट्रपति ट्रंप के शामिल होने पर बात चल रही है। व्हाइट हाउस ने कुछ घंटे पहले उनके शामिल होने की पुष्टि की है। अमेरिका में रहने वाले भारतीयों का जोश बढ़ गया है। उमाशंकर सिंह@umashankarsingh

फारुक अब्दुल्ला की उम्र 83 साल है। उनके गुर्द प्रत्यारोपित हुए हैं। अब उन्हें पहलिक सेप्टी एवट के तहत हिरासत में रखा जाएगा। इसमें दो साल तक कोई सुनवाई नहीं हो सकती। यह कितना मुख्त्यपूर्ण कदम है। राव सरकार में वाजपेयी के नेतृत्व में जिस प्रतिनिधिमंडल ने कश्मीर को लेकर जिनेवा में भारतीय पक्ष रखा था, जिसकी खूब वाहवाही हुई थी, उस में फारुक भी थे। शेखर गुप्ता@ShekharGupta

कश्मीर घाटी के एक बांशिदे से मुलाकात हुई। उसने कहा कि सभी (भट्ट) नेताओं को कैद किए जाने से जनाता बहुत खुश है जिन्होंने केंद्र सरकार से आने वाली रकम से अपनी जेबें तो भरीं। (कहा कि उन्हें कुछ और वक्त देकर रक्षा जाना चाहिए। डॉ. अरविंद विरमानी@dravirmani



विलियन डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है भारत को पिछले करीब दो दशकों के दौरान यानी 1997 से 2017 के बीच प्राकृतिक आपदाओं के कारण, यूनाइटेड नेशंस ऑफिस फॉर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन की वर्ष 2018 में जारी रिपोर्ट के अनुसार।

वैश्विक आपदा प्रबंधन पर भारत की पहल

दुनिया भर में प्राकृतिक और पर्यावरण जनित चुनौतियों को जोखिम बढ़ता जा रहा है। भारत के संदर्भ में भी इससे जुड़ी चुनौतियों की गंभीरता कम नहीं है। ऐसे में जहां दुनिया के तमाम देशों ने एक वैश्विक आपदा प्रबंधन की आवश्यकता महसूस की, वहीं भारत ने इसके गठन की पहल भी की और अब इसके गठन में वह बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहा है। इस मकसद से गठित संगठन का मुख्यालय भी नई दिल्ली में होगा। ऐसे में इस पूरे मामले से संबंधित तमाम पहलुओं को जानना हमारे लिए प्रासंगिक बन चुका है

भारत और जीएफडीआरआर

भारत वैश्विक आपदा प्रबंधन में नेतृकारी भूमिका निभाने की चाह रखता है। इसलिए भारत 2015 में जीएफडीआरआर के परामर्शकारी समूह का सदस्य बन गया। इसके बाद भारत ने वर्ष 2017 के जी-20 के हैंबर्ग समिट में इस दिशा में एक वैश्विक संगठन बनाने का प्रस्ताव दिया। इसी विचार को मजबूती देते हुए भारत ने अक्टूबर 2018 में जीएफडीआरआर के परामर्शकारी समूह की सह अध्यक्षता करने की इच्छा जाहिर की। इसके बाद भारत, यूनाइटेड नेशंस ऑफिस फॉर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन, यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट ऑर युवा उद्योग और उनसे इस विषय पर समर्थन मांगा। हाल ही में इस बात पर सहमति बनी है कि भारत और ब्रिटेन इसी माह आयोजित होने वाले यूएन क्लाइमेट समिट में मिलकर इस वैश्विक संगठन को लॉन्च करेंगे। जापान ने भी इसके समर्थन की बात की है।

यूनाइटेड नेशंस ऑफिस फॉर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन की 13 अक्टूबर 2018 को आपदा से संबंधित एक गंभीर रिपोर्ट आई। दरअसल इस रिपोर्ट में यह कहा गया है कि पिछले करीब दो दशकों में यानी वर्ष 1997 से 2017 के बीच प्राकृतिक आपदाओं से भारत को 80 बिलियन डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। विश्व बैंक के भारतीय डायरेक्टर के द्वारा भेजे गए रैमिटेड्स (वित्त रिप्रेण) से संबंधित 2018 की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 80 बिलियन डॉलर का रैमिटेड भेजा गया है। आसियान देशों के साथ 81 बिलियन डॉलर का, चीन के साथ 84 बिलियन डॉलर का हमारा द्विपक्षीय व्यापार है। इतनी बड़ी रकम का नुकसान हमें आपदाओं से हुआ है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पिछले 20 वर्षों में सभी आपदाओं में से 91 प्रतिशत आपदाओं से वैश्विक स्तर पर तीन ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक बाढ़, तूफान, सूखा, गर्म हवाओं और अन्य गंभीर मौसमी दशाओं के चलते ऐसा हुआ है। इस रिपोर्ट का यह भी कहना है कि प्रत्येक वर्ष वैश्विक स्तर पर 520 बिलियन डॉलर की आर्थिक क्षति आपदाओं के चलते हो रही है और इससे हर साल 2.6 करोड़ लोग निर्धनता की श्रेणी में शामिल होते जा रहे हैं। वर्ष 2019 में अफ्रीकी देश मोजाबिक की पोर्ट सिटी बेइरा, जो लगभग पांच लाख लोगों का निवास स्थान है, वहां

समूह का सह अध्यक्ष बनाने का निर्णय मई माह में ग्लोबल प्लेटफॉर्म फॉर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन के छठे सत्र में स्विट्जरलैंड के जेनेवा में लिया गया। जीएफडीआरआर ने यूनाइटेड नेशंस ऑफिस फॉर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन और यूरोपियन यूनियन के साथ मिलकर इसी संदर्भ में 13 और 14 मई 2019 को आपदाओं के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।



कुशल कोरियाल

राज्य संपादक, उत्तराखंड

उत्तराखंड फिर से चुनावी मूड में आ गया है। आगामी पांच, न्याह और सोलह अक्टूबर को प्रदेश में हरिद्वार जनपद को छोड़ कर पंचायतों के लिए चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है। इसके साथ ही प्रदेश में आचार संहिता प्रभावी हो गई है। केंद्र, प्रदेश और अधिसंख्य निकायों पर काबिज भाजपा अब पंचायतों तक पांव पसारने को तैयार है। उधर कांग्रेस निकाय चुनावों में भाजपा को खासी टक्कर देने के बाद पंचायतों पर अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए मशकूत करती दिख रही है। कमजोर संगठन के बावजूद कांग्रेस नेताओं को पंचायत चुनाव में बाजी मारने की उम्मीद है। हालांकि पंचायतों में प्रदेश में सत्ताधारी दल को बहुमत मिलने की परंपरा रही है। इसके साथ ही हर चुनाव में मोदी नाव पर सवार होने वाले भाजपाई कांग्रेस को चुनौती मानने को ही तैयार नहीं है। भाजपा के सांगठनिक नेता पार्टी को प्रदेश में गांवों



यानी जुड़ों तक ले जाने के अवसर के रूप में ले रहे हैं। पंचायत चुनाव इस बार कुछ नए कलेवर में दिखाई देगा। संशोधित पंचायत एक्ट के तहत दो बच्चे व न्यूनतम शैक्षिक योग्यता के प्रावधान होने के कारण मैदान में पढ़े-लिखे युवा योद्धाओं की संख्या ज्यादा होने की संभावना है। एक अनुमान के अनुसार गत पंचायत के 60 प्रतिशत से अधिक प्रतिनिधि इन नए नियमों के चलते स्वयं ही चुनावी मैदान से बाहर हो जाएंगे। नियोजित परिवार और शैक्षिक योग्यता की बाध्यता वाले इन नियमों से कांग्रेस जहां चिंतित है, वहीं भाजपा उत्साहित दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सिंगल यूज प्लास्टिक को ना कहने वाली पहल का असर इस चुनाव पर भी दिखने वाला है। राज्य निर्वाचन आयोग ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में प्लास्टिक एवं पॉलीथिन को में पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया है। आयोग ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि प्लास्टिक एतों पॉलीथिन निर्मित सामग्री को किसी भी राजनीतिक या प्रशासनिक गतिविधि में उपयोग नहीं किया जा सकेगा।

बेजुबानों के लिए काल बनता प्लास्टिक

प्लास्टिक और पॉलीथिन आज पर्यावरण प्रदूषण का एक बड़ा कारण बन चुका है। साथ ही यह बेसहारा पशुओं की मौत का कारण भी बन रहा है, क्योंकि कूड़े में फेके गए पॉलीथिन में लिपटे हुए भोज्य पदार्थों को खाने से ये पशु मारे जा रहे हैं

प्लास्टिक और कचरा खाने से बचा लिया जाए तो यही सबसे बड़ी गौश्ला हो जाएगी। भारत में गावों का सड़कों पर घूमते हुए खाने के साथ पॉलीथिन मिल जाना आम बात है। गावों में पॉलीथिन कचरे के मामले ज्यादा आ रहे हैं। विगत कुछ वर्षों में पूरी दुनिया में प्लास्टिक का उपयोग तेजी से बढ़ा है। हर वर्ष 30 से 40 लाख टन प्लास्टिक का उत्पादन भारत में होता है और लगभग 15 लाख टन कचरा प्लास्टिक के रूप में ही पैदा होता है। कचरे के ढेर में फेंका गया पॉलीथिन बेजुबान पशुओं के लिए मौत का सामान बन जाता है। आजकल शहरों में खरनाक प्रदूषक, प्लास्टिक की वस्तुएं तथा पॉलीथिन आदि कूड़ेदान में या सड़क के किनारे खुले में फेंक देने की प्रवृत्ति बढ़ी है। घरेलू कचरे में प्लास्टिक पदार्थ ऐसे होते हैं, जैसे सड़े-गले फल-सब्जियां आदि जो सड़कों पर घूमने वाले हैं। बेसहारा पशुओं को भोज्य पदार्थ बन सकते हैं। अनेक बेसहारा पशु इन भोज्य पदार्थों के साथ-साथ पॉलीथिन की थैलियां तथा अन्य प्लास्टिक कचरा भी मिल लेते हैं जो उनकी मौत का कारण बन जाता है। अक्सर शहरों

है और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यह और इसके सेटलाइट कार्यालय बुसेल्स और टोक्यो में हैं। इसके सदस्य के रूप शामिल देश

इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ज्ञान और साक्षरता, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता देता है। यह संखंड फ्रेमवर्क फंडिंग मैकेनिज्म है। इसका प्रथमन विश्व बैंक के द्वारा किया जाता है। यह विकासशील देशों के जोखिम से निपटने संबंधी चौथे वर्ल्ड रिस्कट्रक्शन कॉन्फ

भोजन की बर्बादी कई मोर्चों पर पहुंचा रही नुकसान

भोजन की बर्बादी वर्तमान में दुनिया को कई मोर्चों पर नुकसान पहुंचा रही है। दुनिया में ऐसे कई देश हैं, जहां खाद्यान्न संकट है, वहीं कई देशों में इन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए उचित संसाधनों की कमी है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भोजन की बर्बादी न केवल आर्थिक क्षति पहुंचा रही है, बल्कि गंभीर रूप से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है।

रॉकफेलर फाउंडेशन के सहयोग से वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआई) द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में विश्व में साल भर में बर्बाद होने वाले खाद्य पदार्थों की मात्रा के बारे में बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, हर साल पैदा होने वाले भोजन का एक तिहाई हिस्सा बेकार चला जाता है। इस बेकार हुए भोजन की लागत वैश्विक अर्थव्यवस्था का 940 बिलियन डॉलर है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि ये बेकार हुए खाद्य पदार्थ हमारे वायुमंडल में आठ फीसद तक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन करते हैं, जो जलवायु परिवर्तन का कारण भी है। इस रिपोर्ट में एक वैश्विक एंजेंडे के तहत सरकारें, कंपनियों, किसानों और उपभोक्ताओं से सामूहिक रूप से दुनिया की खाद्य पदार्थों को हो रहे नुकसान को रोकने की अपील की गई है। बताया गया कि इसके लिए कई तरह की रणनीतियां बनाई जा सकती हैं जैसे- राष्ट्रीय सार्वजनिक-निजी भागीदारी बनाना, खाद्य आपूर्ति शृंखला शुरू करना आदि।

निम्न आय वाले देशों में खाद्य पदार्थों की बर्बादी सबसे ज्यादा : रिपोर्ट में बताया कि खाद्य पदार्थों का नष्ट होना और भोजन का बर्बाद होना दो अलग बातें हैं। सुविधाओं के आभाव में निम्न आय वाले देशों में सबसे ज्यादा खाद्य पदार्थ नष्ट हो जाते हैं तो वहीं, उच्च आय वाले देशों में भोजन की बर्बादी ज्यादा होती है।

सरल शब्दों में कहा जाए तो निम्न आय वाले देशों में खाद्य पदार्थों को स्टोर करने की उचित व्यवस्था नहीं होती। मसलन कोल्ड स्टोरेज आदि की कमी, जिसके परिणामस्वरूप इन्हें लंबे समय तक स्टोर नहीं किया जा पाता और ये जल्द खराब हो जाते हैं। वहीं, अधिक आय वाले देशों की बात करें तो यहां लोग जरूरत से ज्यादा खाना या तो प्लेटों में ले लेते हैं या घर के लिए आवश्यकता से अधिक खाद्य पदार्थ खरीद लेते हैं। इनकी खपत न होने पर इनकी बर्बादी होती है।

फलों और सब्जियों की सबसे ज्यादा बर्बादी : संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन के आंकड़ों के अनुसार, जड़ और कंद वे खाद्य समूह हैं, जिनका सबसे ज्यादा अपव्यय किया जाता है। 2007 में 62 फीसद तक इनका अपव्यय हुआ। इसके बाद फल और सब्जियों का 41 फीसद तक अपव्यय हुआ। अगर वजन के आधार पर देखें तो फल और सब्जियां वे खाद्य पदार्थ हैं, जिनकी सबसे ज्यादा बर्बादी होती है।

दुनिया का सबसे बड़ा कॉफी स्टोर

दुनिया की सबसे बड़ी कॉफीहाउस कंपनी स्टारबक्स शिकागो में एक कॉफी स्टोर खोलने जा रही है। 143,000 वर्ग फीट में फैला यह स्टोर दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा कॉफी स्टोर होगा। चार मंजिला इस स्टोर की शुरुआत 15 नवंबर से होगी, जिसमें विशेष प्रकार की कॉफी और चाय मिलेंगी। इसके अलावा इस स्टोर में ड्रिप ब्रियूड कॉफी, कॉफी बींस, सलाद आदि चीजें भी उपलब्ध होंगी।

50 देशों में हैं स्टोर

स्टारबक्स के 50 देशों में 16,858 से अधिक स्टोर हैं। अकेले अमेरिका में ही 11,000 से ज्यादा स्टोर हैं। वहीं, कनाडा में इनकी संख्या 1,000 और ब्रिटेन में 700 से ज्यादा है। इसका मुख्यालय वाशिंगटन के सिएटल में स्थित है।

तीन लोगों ने की थी शुरुआत

स्टारबक्स का पहला स्टोर 30 मार्च, 1971 को वाशिंगटन के सिएटल में तीन दोस्तों, अंग्रेजी के शिक्षक जेरी बाल्डविन, इतिहास के शिक्षक जेव सिएल और लेखक गॉर्डन बोकर ने खोला था। पहले इसका नाम पेक्वोड रखा जा रहा था, लेकिन सहमति न बन पाने के कारण आखिर में इसे स्टारबक्स नाम दिया और आज यह दुनिया की सबसे बड़ी कॉफीहाउस कंपनी बन गई।

आधी हुई थर्मल पावर प्लांट में कोयले की खपत

मिली सफलता ▶ जमशेदपुर की राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों ने विकसित की तकनीक

लागत में कमी के साथ प्रदूषण

में भी आएगी गिरावट

विकास श्रीवास्तव, जमशेदपुर

थर्मल पावर प्लांट में ईंधन के रूप में कोयले के इस्तेमाल से पैदा होने वाला प्रदूषण देश ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी चिंता का सबब है। प्रदूषण कम करने को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के दबाव के बीच जमशेदपुर के राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल) के वैज्ञानिकों ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। एनएमएल के वैज्ञानिकों ने ऐसी तकनीक विकसित कर ली है, जिससे थर्मल पावर प्लांट में कोयले की खपत आधी हो जाएगी।

थर्मल पावर प्लांट में कोयले की खपत को कम करने के लिए कई देशों में काम किया जा रहा था, लेकिन सफलता नहीं मिली। चीन और जापान जैसे देशों ने भी शोध शुरू किया था, लेकिन 20 साल जितना लंबा समय लगने और काफी खर्च करने के बाद शोध को बंद कर दिया। केंद्र सरकार की ओर से जिम्मेदारी मिलने के बाद एनएमएल जमशेदपुर के वैज्ञानिकों ने इसका समाधान ढूंढ़ने की कोशिश की, ताकि कोयले की खपत और कार्बन उत्सर्जन को कम किया जा सके। दो साल की मेहनत के बाद

मानव तस्करी पर बनी फिल्म धुमकुड़िया को मिला आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट अवार्ड

जागरण संवाददाता, रांची

कोलकाता के इंटरनेशनल कल्ट फिल्म फेस्टिवल में महिला संबंधी विषयों के फिल्म में रांची के नंदलाल नायक द्वारा निर्देशित और सुमित अग्रवाल द्वारा निर्मित ‘धुमकुड़िया’ को आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट अवार्ड मिला है। इस वर्ग में रितम श्रीवास्तव के फिल्म मेटर्नैटी ब्लूज को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार से नवाजा गया है।

नंदलाल नायक झारखंड के प्रसिद्ध लोक कलाकार व पद्मश्री से सम्मानित मुकुंद नायक के पुत्र हैं। धुमकुड़िया में झारखंड के गुमला और सिमडेगा जैसे आदिवासी बहुल और गरीब जिलों में व्याप्त मानव तस्करी के मुद्दे को बड़ी शिद्दत से उठाया गया है। फिल्म झारखंड के विभिन्न जिलों से लड़कियों की तस्करी की वास्तविक घटनाओं पर आधारित है। फिल्म की शूटिंग भी लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा समेत झारखंड की ही लोकेशन पर की गई है। फिल्म में दिखाया गया है कि किस तरह मानव तस्करी का नेटवर्क महानगरों से लेकर गांव तक फैला हुआ है और तस्कर किस तरह सांस्कृतिक-धार्मिक या खेलकूद के आयोजनों में लड़कियों को दिशाने पर लेते हैं। उनके सपनों को अंजाम तक पहुंचाने का सब्जना दिखा तस्कर उन्हें महानगरों में पहुंचा देते हैं। फिर वहां शुरू होता है उनका शारीरिक-आर्थिक शोषण।

इस संबंध में फिल्म के निर्देशक नंदलाल नायक ने बताया कि हर सभ्यता और संस्कृति की

221

फीट ऊंचा रावण का पुतला बनाया जा रहा है चंडीगढ़ में। इसे बनाने वालों का दावा है कि इस बार यह देश का सबसे ऊंचा पुतला होगा। इसे तैयार करने में 30 विन्टल लोहा और 20 विन्टल बांस का प्रयोग किया जा रहा है।



तकनीक विकसित करने वाली वैज्ञानिकों की टीम के लीडर डॉ. एस शिवप्रसाद (बाएं)। साथ में हैं सहयोगी सदस्य डॉ. एचएन बार।

कामयाबी मिली। इस तकनीक से कोयले की खपत कम होने के कारण लागत के साथ-साथ अब प्रदूषण भी आधा हो गया।

ऐसे मिली सफलता : थर्मल पावर प्लांट दरअसल, स्टीम (भाप) से चलता है। टरबाइन में भाप तैयार करने के लिए ईंधन के रूप में कोयले का उपयोग किया जाता है। ज्यादा कोयले

से पानी को गर्म कर भाप तैयार करने में ज्यादा कार्बन का उत्सर्जन होता है। अध्ययन कर पावर प्लांट के उन खास बिंदुओं की पहचान की गई जहां कार्बन का उत्सर्जन कम किया जा सकता है और कम कोयले में भी वर्तमान उत्पादन संभव हो सकता है। इसके लिए कुछ नई तरह की धातुओं और मिश्र धातुओं को रिएलस किया



फिल्म धुमकुड़िया का पोस्टर।

उपलब्धि

कोलकाता के इंटरनेशनल कल्ट फिल्म फेस्टिवल में मिला सम्मान

फिल्म में वास्तविक घटना को बनाया गया है आधार

मुख्य भूमिका में गोस्सनर की छात्रा

रिंकल रांची गोस्सनर कॉलेज मासकॉम की छात्रा है। उन्होंने फिल्म में आदिवासी किशोरी के सपने, मंजिल की चाह, महानगर की शकावधी में गुम होते व्यक्ति, यौन शोषण की दर्दनाक मन स्थिति और घुटन को बहुत ही खूबसूरती से अपने अभिनय से अभिव्यक्त किया है।

अपनी लय-ताल होती है। झारखंडी आदिवासी समाज में इस लय-ताल को स्थापित करने वाली कई संस्थाएं हैं। इनमें धुमकुड़िया सबसे महत्वपूर्ण संस्था थी। यह संस्था आदिवासी युवाओं के विचार, अभिव्यक्ति और परिचय का केंद्र हुआ करती थी। आदिवासी समाज में लिंग भेद कभी नहीं रहा। धुमकुड़िया इस मान्यता को मजबूती प्रदान करती थी, लेकिन जब से इस संस्था में हास हुआ तो युवाओं के वैचारिक

आदान-प्रदान के अवसर सीमित हो गए। इसका समाज में इस लय-ताल को स्थापित करने वाली कई संस्थाएं हैं। इनमें धुमकुड़िया सबसे महत्वपूर्ण संस्था थी। यह संस्था आदिवासी युवाओं के विचार, अभिव्यक्ति और परिचय का केंद्र हुआ करती थी। आदिवासी समाज में लिंग भेद कभी नहीं रहा। धुमकुड़िया इस मान्यता को मजबूती प्रदान करती थी, लेकिन जब से इस संस्था में हास हुआ तो युवाओं के वैचारिक

आदान-प्रदान के अवसर सीमित हो गए। इसका समाज में इस लय-ताल को स्थापित करने वाली कई संस्थाएं हैं। इनमें धुमकुड़िया सबसे महत्वपूर्ण संस्था थी। यह संस्था आदिवासी युवाओं के विचार, अभिव्यक्ति और परिचय का केंद्र हुआ करती थी। आदिवासी समाज में लिंग भेद कभी नहीं रहा। धुमकुड़िया इस मान्यता को मजबूती प्रदान करती थी, लेकिन जब से इस संस्था में हास हुआ तो युवाओं के वैचारिक

आपराधिक घटनाएं रोकने में मददगार साबित होगा हेमंत का दृष्टिकोण मोबाइल एप्लीकेशन

अनिल वेताव, फरीदाबाद

जिस तरह समाज में बच्चों तथा महिलाओं से जुड़ी आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं, वैसे ही इन घटनाओं को रोकने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। पुलिस प्रशासन के साथ कई युवा भी इस दिशा में प्रयासरत हैं। विपरीत परिस्थितियों में किस तरह दूसरों की मदद लेकर मुसीबत से बचा जाए, इसके लिए फरीदाबाद के हेमंत चौहान ने दृष्टिकोण नामक मोबाइल एप तैयार किया है। इस एप्लीकेशन की सहायता से मुसीबत में फंसा व्यक्ति उन 10 लोगों को संदेश देकर लाइव लोकेशन भेज सकता है, जिन लोगों ने यह एप डाउनलोड किया हुआ है।

लाइव लोकेशन के साथ पहुंचेगा संदेश : इस एप के बारे में हेमंत बताते हैं कि मान लीजिए, किसी के घर में चोर घुस आए हैं। चोर भूतल पर हैं और आप प्रथम तल पर। कई बार ऐसा होता है कि कहीं काफीनों से पुलिस के पहुंचने में देरी हो जाती है। इस एप की खासियत यह भी है कि पांच किलोमीटर के दायरे में जिन लोगों के पास यह एप डाउनलोड है और वे इस पर एक्टिव हैं, उन तक आपके नाम के साथ आपकी लाइव लोकेशन साझा हो जाएगी। साथ ही यह संदेश

जागरण विशेष

▶ कोयले से पैदा होने वाला प्रदूषण देश ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी बना हुआ है चिंता का सबब

आप भी जुड़ें

अपने आस-पास के ऐसे ही किसी अभिनव, प्रेरक व सार्थक प्रयास की जानकारी आप भी हमें दे सकते हैं, जो व्यक्ति, देश व समाज को नवरेणणा से भर सकती हो। सक्षिप्त विवरण response.story@jagran.com पर भेजें।

गया। परिणाम सकारात्मक रहा। इस तकनीक को पहली बार झारखंड के पतरातू थर्मल पावर प्लांट में अपनाया जा रहा है। पतरातू में अपनाई जा रही तकनीक तमाम अध्ययन और शोध के बाद विकसित की गई है। वैज्ञानिकों की टीम अब पावर प्लांट में तकनीकी तौर पर परिणामों का अध्ययन कर रही है।



उत्तराखंड के अल्मोड़ा के सतराली क्षेत्र के थापला गांव में बंजर भूमि पर उगे कुणजापाती की कटाई करते लोग।

उत्तराखंड के गांवों को कुणजापाती से मिल रहा आर्थिक संबल



उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के सतराली क्षेत्र के नौ गांवों में करीब छह हजार हेक्टेयर बंजर भूमि में प्राकृतिक रूप से उगी कुणजापाती (आटीमीशिया) अब वहां के निवासियों को आर्थिक संबल दे रही है। यह संभव हो पाया संगंध पौधा केंद्र (कैप), देहरादून के प्रयासों से। कैप ने कुणजापाती से सुगंधित तेल निकालने के लिए मोबाइल आसवन संयंत्र लगाया है। इसमें स्थानीय ग्रामीणों से 300 रुपये प्रति किंवदल के

हिसाब से कुणजापाती वनस्पति खरीदी जा रही है। पांच दिन के भीतर वहां सात किलो सुगंधित तेल तैयार कर लिया गया है। कैप के निदेशक डॉ. नृपेंद्र चौहान के मुताबिक, वेस्ट को वेल्थ में बदलने को ऐसी पहल प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में भी की जाएगी।

अल्मोड़ा के ताकुला ब्लॉक के अंतर्गत सतराली क्षेत्र के नौ गांवों थापला, पनेगांव, कांडे, लोहना, ईसरना, बीना, झारकोट, कोतवालगांव व अमखोली में 12600 नाली कृषि भूमि है। इसमें से केवल 6600 नाली में ही खेती हो रही है। शेष 6000 नाली कृषि योग्य भूमि बंजर में तब्दील हो चुकी है। इस बीच संगंध पौधा केंद्र को जानकारी मिली कि इन गांवों में बंजर भूमि पर कुणजापाती नामक सुगंधित वनस्पति के पौधे बड़ी संख्या में उगे हुए हैं। ग्रामीण इसे किसी उपयोग में भी नहीं ला पा रहे थे।

डॉ. नृपेंद्र चौहान के मुताबिक, प्राकृतिक रूप से उगे कुणजापाती के उपयोग का निर्णय लेते हुए वहां टीम भेजी गई। इसके साथ ही ग्रामीणों को इस बात के लिए राजी किया गया कि इस वनस्पति से उन्हें पैसा भी मिल रहा है और खेत भी साफ हो रहे हैं।

डॉ. चौहान बताते हैं कि कुणजापाती औषधीय गुणों से भी लबरेज है। इसके तेल का उपयोग कॉस्मेटिक सामग्री, एरोमा थैरेपी और फ्रेंगेंस से इंडस्ट्री में होता है। एक कुंतल कुणजापाती से 200 ग्राम सुगंधित तेल निकलता है। इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य 4200 रुपये प्रति किलो है।

काटना होगा और फिर संगंध पौधा केंद्र इसे खरीदेगा। सहमति बनी कि ग्रामीणों से 300 रुपये प्रति किंवदल की दर पर कुणजापाती खरीदा जाएगी। डॉ. चौहान ने बताया कि यह सहमति बनने के बाद करीब पांच दिन पहले क्षेत्र के थापला गांव में मोबाइल डेस्टिलेशन यूनिट (आसवन संयंत्र) लगाया गया। उन्होंने बताया कि रेजाना ही बड़ी संख्या में लोग कुणजापाती लेकर आसवन संयंत्र में पहुंच रहे हैं। अब तक संयंत्र में कुणजापाती से करीब सात किलो सुगंधित तेल तैयार किया जा चुका है। लोग इस बात से खुश हैं कि कुणजापाती से उन्हें पैसा भी मिल रहा है और खेत भी साफ हो रहे हैं।

तलाशी राह

मुसीबत में फंसे लोगों की मदद के लिए फरीदाबाद के युवक ने तैयार किया है खास एप

एक बार में 10 लोगों को भेजी जा सकेगी लाइव लोकेशन, समय रहते मिल सकेगी राहत

एप के जरिये पांच किलोमीटर के दायरे में मौजूद लोगों को भेजा जा सकेगा संदेश और लोकेशन

अपनी किसी भी स्थिति की जानकारी आगे पहुंचा सकते हैं। मेरा मानना है कि अगर इस एप का पुलिस प्रशासन इस्तेमाल कर ले, तो काफी हद तक आपराधिक घटनाओं से समय रहते बचा जा सकता है।

मैं इस एप के बारे में उद्योग मंत्री विपुल गोयल को जानकारी दूंगा और साथ ही पुलिस आयुक्त से मिलकर भी इस एप के उपयोग की मांग करूंगा।

संकट

मृत्युंजय मानी, पटना

राष्ट्रीय जलीय जीव गांगेय डॉल्फिन के भोजन पर आफत आ गई है। बिहार में मछली के कारोबार से जुड़े लोग गंगा में जाल डालकर छोटी-छोटी मछलियों का शिकार कर रहे हैं। डॉल्फिन का आहार यही छोटी मछलियां हैं। जाल डालकर मछलियों को पकड़ने पर रोक के बावजूद शिकारी बेपरवाह हैं। इसका खामियाजा गांगेय डॉल्फिन को उठाना पड़ रहा है और इससे इनके अस्तित्व पर पर संकट पैदा हो रहा है।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को ‘गांगेय डॉल्फिन’ के संरक्षण का दायित्व मिला है। बावजूद इसके डॉल्फिन के आहार पर हो रहे प्रखर को रोकने के लिए गंगा में गश्ती नहीं हो रही है। कोई विशेष दल भी नहीं गठित हुआ है, जो इस पर नजर रखे। मछली मारने वाले सारण और वैशाली जिले की तरफ से छोटी मछलियों को जाल में फंसाकर व्यवसाय कर रहे हैं।



सारण और वैशाली के डीएफओ को निगरानी करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। गंगा में छोटी मछलियों का शिकार करने की अनुमति नहीं है। जाल के जरिये मछलियों का शिकार करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यहां हैं सर्वाधिक डॉल्फिन : गंगा में पाई जाने वाली डॉल्फिन को ‘गांगेय डॉल्फिन’ कहा जाता है। इन्हें पांच सितंबर, 2009 में राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया गया था। इनकी संख्या बिहार के दानापुर से फतुहा के बीच 44 है, जबकि बक्सर से मोकामा तक इनकी संख्या सर्वाधिक 333 है।

शिकार पर लगे रोक : मधुआरे राजेंद्र सहनी

पहला टी-20 मैच रद्द होने के बाद अब नजरें मोहाली पर

दूसरा मुकाबला खेलने मोहाली पहुंचीं दोनों टीमें, कृणाल, हार्दिक, राहुल और पंत ने बहाया मैदान में पसीना सपाट पिच पर होगी गेंदबाजों की कड़ी परीक्षा

जागरण संवाददाता, मोहाली: धर्मशाला में बारिश की वजह से पहला टी-20 मुकाबला धुल जाने के बाद भारतीय टीम की नजरें मोहाली पर हैं। दोनों ही टीम बुधवार को होने वाले मुकाबले को खेलने के लिए सोमवार को यहां पहुंच गईं। पिच को बल्लेबाजों के मुफ़ाद बताया जा रहा है-और ऐसे में दर्शकों को रॉन्स का धूम-धड़का देखने को मिल सकता है।

अहम है यह सीरीज : अगले वर्ष ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारियों को देखते हुए भारतीय टीम में प्रयोगों का दौर शुरू हो चुका है। यही वजह है कि भारतीय टीम ने अपने दोनों मुख्य स्पिनरों कुलदीप यादव और युजवेंद्रा सिंह चहल को सीरीज से आराम दिया है और उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर, राहुल चाहर जैसे स्पिनरों को मौका दिया है। युवा खिलाड़ियों के पास खुद को साबित करने का यह बेहतरीन मौका है। कप्तान विराट कोहली पहले ही कह चुके हैं कि युवा खिलाड़ियों को खुद को साबित करने के चार से पांच मौके ही मिलेंगे। ऐसे में युवा खिलाड़ियों पर प्रदर्शन का दबाव होगा। अब मोहाली की पिच पर इन युवा गेंदबाजों के पास दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को रोकने की कड़ी चुनौती होगी। ऐसा इसीलिए क्योंकि मोहाली की पिच हमेशा से बल्लेबाजों के मुफ़ीद रही है। भारतीय टीम यहां पिछली बार 10 मार्च को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे मैच खेलने उतरी थी। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 358 रन बनाए थे। इसके बावजूद भारतीय टीम ने यह मुकाबला चार विकेट से गंवा दिया था। कुलदीप और चहल

हार्दिक, कृणाल, राहुल व रिषभ ने बहाया पसीना

मोहाली : टीम इंडिया के चार खिलाड़ियों ने आराम करने की जगह स्टेडियम में पहुंचकर पसीना बहाया। हार्दिक पांड्या, कृणाल पांड्या, केएल राहुल और रिषभ पंत टीम के साथ दोपहर होटल पहुंचे और इसके बाद शाम चार बजे चारों खिलाड़ी स्टेडियम अभ्यास के लिए पहुंच गए। टीम के विकेटकीपर रिषभ पंत ने आक्रमक शॉट लगाए जबकि पांड्या बंधुओं ने गेंदबाजी और बल्लेबाजी का अभ्यास किया। टीम के सलामी बलेबाज केएल राहुल ने स्थानीय गेंदबाजों के साथ अभ्यास किया।

आज अभ्यास करेंगी भारत और दक्षिण अफ्रीकी टीम

सोमवार को चंडीगढ़ पहुंचने के बाद दोनों टीमों के ज्यादातर खिलाड़ियों ने होटल में आराम फरमाया। दोनों टीमें मंगलवार को पीसीए स्टेडियम मोहाली में अभ्यास करेंगी। मेहमान टीम मंगलवार सुबह तकरीबन नौ बजे स्टेडियम पहुंचेगी और दोपहर 12 बजे तक अभ्यास करेंगी। इसके बाद भारतीय टीम दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक अभ्यास करेंगी।

जैसे स्पिनरों ने यहां पर 60 रनों से ज्यादा लुटाए थे। ऐसे में खलील अहमद, दीपक चाहर, राहुल और वाशिंगटन जैसे युवा गेंदबाजों के लिए दक्षिण अफ्रीका के



मोहाली के आइएस बिंदा मैदान में बल्लेबाजी का अभ्यास करते हार्दिक पांड्या • प्रेट

आक्रमक बल्लेबाजों को रोकना आसान नहीं होगा।

मोहाली किसी के लिए नया नहीं : मोहाली का आइएस बिंदा पीसीए

स्टेडियम दोनों टीमों के खिलाड़ियों के लिए ही नया नहीं है। यह स्टेडियम आइपीएल में किंग्स इलेवन पंजाब का घरेलू मैदान है। पंजाब की टीम में

भारतीय कप्तान कोहली से 34 अंक आगे निकले स्टीव स्मिथ

दुबई, प्रेट : भारतीय कप्तान विराट कोहली सोमवार को जारी आइसीसी टेस्ट बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के बाद दूसरे स्थान पर बरकरार हैं। कोहली के नाम 903 रेटिंग अंक हैं, जबकि स्मिथ उनसे 34 अंक आगे 937 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। दोनों बल्लेबाजों के बीच अंकों का अंतर बढ़ा हो गया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्मिथ के अलावा टीम के उनके साथी तेज गेंदबाज पैट कमिंस भी आइसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं। स्मिथ और कमिंस के शानदार प्रदर्शन के दम पर ऑस्ट्रेलिया एशेज खिताब को अपने पास बरकरार रखने में सफल रहा।

शीर्ष पांच टेस्ट बल्लेबाज			
खिलाड़ी	देश	अंक	
स्टीव स्मिथ	ऑस्ट्रेलिया	937	
विराट कोहली	भारत	903	
केन विलियमसन	न्यूजीलैंड	878	
वेनेश्वर पुजारा	भारत	825	
हेनरी निकोल्स	न्यूजीलैंड	749	

स्मिथ को नंबर एक का ताज : एशेज सीरीज के शुरू होने से पहले उनके नाम 857 रेटिंग अंक थे जिससे वह चौथे पायदान पर थे। उन्होंने सीरीज के चार मैचों में 774 रन बनाए। कमिंस भी दूसरे पायदान पर काबिज दक्षिण अफ्रीका के

शीर्ष पांच टेस्ट गेंदबाज			
खिलाड़ी	देश	अंक	
पैट कमिंस	ऑस्ट्रेलिया	908	
कैगिसो रबादा	द. अफ्रीका	851	
जसप्रीत बुमराह	भारत	835	
जेसन होल्डर	वेस्टइंडीज	814	
वर्नोन फिलेंडर	द. अफ्रीका	813	

तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा पर 57 अंक की बढ़ी बढ़त कायम किए हैं। वह एशेज सीरीज में 29 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज रहे। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह रैंकिंग में तीसरे पायदान पर हैं।

टेस्ट रैंकिंग

- स्टीव 937 अंकों के साथ पहले, विराट 903 अंकों के साथ नंबर दो**
- गेंदबाजों की सूची में कमिंस नंबर एक पर बरकरार**

मार्श और वेड को भी फायदा : ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू वेड और मिशेल मार्श भी रैंकिंग में सुधार करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे। वेड ने रविवार को अपना चौथा टेस्ट शतक लगाया, जिससे वह 78वें पायदान पर पहुंच गए। पहली बार पांच विकेट लेने वाले मिशेल मार्श भी 20 स्थानों के सुधार के साथ 54वें स्थान पर पहुंच गए। मार्च 2017 के बाद यह

डेविड मिलर लंबे समय से खेलते आए हैं और उन्हें यहां की परिस्थितियों का अच्छे से ज्ञान है। दूसरी ओर दूसरी आइपीएल टीमों में शामिल खिलाड़ियों के

पास भी मोहाली में खेलने का अनुभव है। कप्तान मुंबई इंडियंस से खेलने वाले दक्षिण अफ्रीकी कप्तान क्विंटन डिकॉक के लिए भी यहां खेलना नया

अनुभव नहीं है। ऐसे में यह दक्षिण अफ्रीकी टीम युवा जरूर है लेकिन खेल के तीनों क्षेत्र में यह टीम इंडिया पर भारी पड़ सकती है।

विश्व कप 2019 सबसे ज्यादा देखा जाने वाला आइसीसी टूर्नामेंट

अगले दो टी-20 मैचों के लिए नईम, विप्लव बांग्लादेश टीम में

ढाका, आइएनएएस : बांग्लादेश ने अफगानिस्तान और जिंबाब्वे के साथ जारी टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के अगले दो मैचों के लिए सलामी बल्लेबाज मुहम्मद नईम और युवा लेग स्पिनर अमीनुल इस्लाम विप्लव को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। नईम और बिप्लव के अलावा अब तक दो टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलने वाले नजमुल हुसैन शंटो, तेज गेंदबाज

इजाफा हुआ है। बयान में कहा गया कि वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक देखा जाने वाला मैच भारत बनाम पाकिस्तान रहा, जिस 27 करोड़ 30 लाख टीवी दर्शक मिले और पांच करोड़ अन्य ने डिजिटल मंच पर इस मैच को देखा।

रुबेल हुसैन और शैफुल इस्लाम भी क्रिकेट के इस छोटे प्रारूप में वापसी करने में सफल रहे हैं। शंटो को पहली बार टी-20 टीम में मौका दिया गया है। सीरीज के पिछले दो मैचों में नही चलने वाले सीम्य सरकार को टीम से बाहर कर दिया गया है। मेजबान बांग्लादेश को सीरीज के पहले दो मैचों में एक में जीत और एक में हार मिली है। टीम को फाइनल से पहले दो और मैच खेलने हैं।

पाक ने अकमल, शहजाद को संभावित टीम में शामिल किया : पाकिस्तान के मुख्य चयनकर्ता और कोच मिस्बाह उल हक ने श्रीलंका के साथ खेली जाने वाली सीमित ओवरों की घरेलू सीरीज के लिए सोमवार को उमर अकमल

करार तोड़ने के मामले में बीसीसीआइ ने दिनेश कार्तिक को किया माफ

नई दिल्ली, प्रेट : बीसीसीआइ ने केंद्रीय अनुबंध का करार तोड़ने के मामले में भारतीय टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक की बिना शर्त मांगी गई माफी को स्वीकर कर लिया है। कार्तिक की इस माफी के बाद इस मामले का पटाघोष हो गया। कार्तिक ने शाह रुख खान की त्रिनबागो नाइट्सराइडर्स (टीकेआर) के ड्रेसिंग रूम से कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल)

का मैच देखकर बीसीसीआइ के केंद्रीय उपबंध का उल्लंघन किया था। कार्तिक ने बीसीसीआइ से नोटिस मिलने के बाद बिना शर्त माफी मांगी थी। कार्तिक केकेआर टीम के कप्तान हैं। वह ड्रेसिंग रूम में त्रिनागो की जर्सी में मैच देखते नजर आए थे। बीसीसीआइ के केंद्रीय अनुबंध के अनुरोध पर पॉर्ट ऑफ स्पेन गए थे और उनके कहने पर ही टीकेआर की जर्सी पहनकर मैच देखा था।

चाहिए थी। उनका अनुबंध उन्हें किसी निजी टीम में भाग लेने की मंजूरी नहीं देता है। बीसीसीआइ ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करके पूछा था कि उनका केंद्रीय अनुबंध रद्द क्यों नहीं कर दिया जाए। कार्तिक ने जवाब में कहा था कि वह केकेआर के कोच ब्रैंडन मैकुलम के अनुरोध पर पॉर्ट ऑफ स्पेन गए थे और उनके कहने पर ही टीकेआर की जर्सी पहनकर मैच देखा था।

सीनियर खिलाड़ी मुहम्मद हफीज और शोएब मलिक को संभावित खिलाड़ियों की सूची में जगह नहीं मिली है क्योंकि पीसीबी ने दोनों को 12 अक्टूबर तक कैरेबियाई प्रीमियर लीग में खेलने की अनुमति दी है। पाकिस्तान को

श्रीलंका के खिलाफ 27 सितंबर से तीन वनडे मैचों की सीरीज कराची में, जबकि तीन मैचों की टी-20 सीरीज लाहौर में खेलनी है। यह दौरा नौ अक्टूबर को खत्म होगा। श्रीलंकाई टीम ने दौरे की पुष्टि नहीं की है। सुरक्षा

क्रिकेट डायरी

कारणों से लसित मलिंगा सहित कई खिलाड़ियों ने नाम वापस ले लिया है। आइसीसी इस सीरीज के लिए मैच अधिकारियों को नियुक्त करने से पहले स्थिति की समीक्षा करने के लिए स्वतंत्र सुरक्षा सलाहकार को कराची और लाहौर भेजेगी।

मियांदाद बोले, पाकिस्तान को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए : श्रीलंका क्रिकेट टीम के शीर्ष खिलाड़ियों ने पाकिस्तान दौरे पर आने से मना कर दिया, जिस पर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और कोच जावेद मियांदाद ने कहा है कि पाकिस्तान टीम को यह नहीं देखना चाहिए की कौन सी टीम खेलने आ रही है, बल्कि इस बात

टेनिस डायरी टूर्नामेंट के ड्रॉ का हुआ एलान, यूएस ओपन चैंपियन राफेल नडाल अपनी राष्ट्रीय टीम स्पेन के साथ पर्थ में खेलने उतरेंगे

एटीपी कप में जोकोविक ब्रिसबेन और फेडरर सिडनी में खेलेंगे

सिडनी, एएफपी : दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविक 2020 सत्र को शुरुआत ब्रिसबेन में, स्पेन के राफेल नडाल पर्थ में, जबकि स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर सिडनी में करेंगे। सोमवार को एटीपी कप के ड्रॉ के बाद यह तय हुआ। एटीपी कप नया विश्व टेनिस टीम टूर्नामेंट है। चैंपियनशिप का आयोजन मेलबर्न में के स के पहले ग्रैंडस्लेम से पूर्व तीन से 12 जनवरी तक किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में 24 देश हिस्सा लेंगे, जिन्हें छह गुगों में बांटा गया है। मैचों का आयोजन सिडनी, ब्रिसबेन और पर्थ में किया जाएगा। प्रत्येक टीम में पांच खिलाड़ियों को शामिल किया जा सकता है। राउंड रोबिन चरण के बाद टीमों नॉकआउट में जगह बनाएंगी। शीर्ष-30 में शामिल अधिकांश खिलाड़ियों के इस टूर्नामेंट में खेलने का संभावना है।

सिडनी में छे के बाद जोकोविक की सर्बिया की टीम को ब्रिसबेन में फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी, यूनान, कनाडा और वाइल्ड कार्ड धारक ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है। नडाल की स्पेन की टीम को पर्थ में जापान, जॉर्जिया, रूस, इटली और अमेरिका से भिड़ना है, जबकि फेडरर की स्विट्जरलैंड की टीम सिडनी

नंबर एक स्थान के करीब पहुंचीं प्लिस्कोवा

पेरिस, एएफपी : चेक गणराज्य की कैरोलिना प्लिस्कोवा डबल्यूटीए रैंकिंग में नंबर एक स्थान के करीब पहुंच गई हैं। शीर्ष पर एश्ले बार्टी मौजूद हैं, जबकि दूसरे स्थान पर प्लिस्कोवा हैं। प्लिस्कोवा ने रविवार को ड्रैंगडौज ओपन जीता था जिसका फायदा उन्हें उनकी रैंकिंग अंक में मिले और अब वह बार्टी से 86 अंक पीछे हैं। डबल्यूटीए ने सोमवार को विश्व रैंकिंग जारी की। शीर्ष-25 में पांच खिलाड़ियों को शामिल किया जा सकता है। राउंड रोबिन चरण के बाद टीमों नॉकआउट में जगह बनाएंगी। शीर्ष-30 में शामिल अधिकांश खिलाड़ियों के इस टूर्नामेंट में खेलने का संभावना है।

सिडनी में छे के बाद जोकोविक की सर्बिया की टीम को ब्रिसबेन में फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी, यूनान, कनाडा और वाइल्ड कार्ड धारक ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है। नडाल की स्पेन की टीम को पर्थ में जापान, जॉर्जिया, रूस, इटली और अमेरिका से भिड़ना है, जबकि फेडरर की स्विट्जरलैंड की टीम सिडनी

नंबर एक स्थान के करीब पहुंचीं प्लिस्कोवा

एटीपी कप ड्रॉ			
ग्रुप-ए (ब्रिसबेन)	सर्बिया	फ्रांस	द. अफ्रीका
ग्रुप-बी (पर्थ)	स्पेन	जापान	जॉर्जिया
ग्रुप-सी (सिडनी)	स्विट्जरलैंड	बेल्जियम	ब्रिटेन
ग्रुप-डी (पर्थ)	रूस	इटली	यूएसए
ग्रुप-ई (सिडनी)	ऑस्ट्रिया	क्रोएशिया	अर्जेंटीना
ग्रुप-एफ (ब्रिसबेन)	जर्मनी	ग्रीस	कनाडा, ऑस्ट्रेलिया

जोकोविक पहले, स्पेन के राफेल नडाल दूसरे, जबकि स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर तीसरे स्थान पर मौजूद हैं। डेलन देवदेवेव एक स्थान के फायदे के साथ चौथे, जबकि डोमिनिक थिएम एक स्थान के नुकसान के साथ पांचवें नंबर पर आ गए हैं। छठे स्थान

पर एलेक्जेंडर ज्वेरेव मौजूद हैं। स्टेफानोस सितसिपास को उनकी रैंकिंग में एक स्थान का फायदा मौजूद है। डेलन देवदेवेव एक स्थान के फायदे के साथ चौथे, जबकि डोमिनिक थिएम एक स्थान के नुकसान के साथ पांचवें नंबर पर आ गए हैं। छठे स्थान

बनाने वाली दूसरी सिंगल्स खिलाड़ी बन गई। उनसे पहले विश्व की नंबर एक एश्ले बार्टी इस टूर्नामेंट में जगह बनाने वाले पहली खिलाड़ी थीं। डबल्यूटीए दूर ने सोमवार को यह जानकारी दी। 27 वर्षीय चेक गणराज्य की प्लिस्कोवा ने



कनाडा में एक कार्यक्रम के दौरान यूएस ओपन विजेता बियांका अर्झेरकु को सम्मानित किया गया• एपी

रविवार को क्रोएशिया की पेट्रा मार्टिंक को 6-3, 6-2 से हराकर ड्रैंगडौज ओपन का खिताब हासिल किया था। वह चौथी बार डबल्यूटीए फाइनल्स में खेलेंगी, जो 27 अक्टूबर से तीन नवंबर तक यहां खेला जाएगा। प्लिस्कोवा ने कहा,

करियर की सर्वश्रेष्ठ 159वीं रैंकिंग पर सुमित नागल

नई दिल्ली, प्रेट : भारतीय खिलाड़ी सुमित नागल ने एटीपी रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ 159वीं रैंकिंग हासिल की। हरियाणा के 22 साल के नागल बांजा लूका एटीपी चैलेंजर में उप विजेता रहे थे। रैंकिंग में नागल ने 15 स्थान का सुधार किया। यूएस ओपन में नागल ने रोजर फेडरर के खिलाफ पहले दौर में पहला सेट जीत लिया था लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। प्रजनेश गुप्तावरन शीर्ष-100 में बरकरार इकलौते भारतीय हैं। रामकुमार रामनाथन तीन स्थान के नुकसान से 179वें पायदान पर हैं। डबल्स में रोहन बोपन्ना और दिविज शरण 43वें व 49वें स्थान पर हैं जबकि लिपडिप पेस 78वें पायदान पर पहुंच गए। डबल्यूटीए रैंकिंग में अकिता रैना 191वें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय हैं।

‘मेरा हमेशा से डबल्यूटीए फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने का लक्ष्य रहता है और मैं चौथी बार क्वालीफाई करने में सफल हो गई। मैं सत्र के अंतिम टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक हूं।’

गुरप्रीत को मिली शिकस्त

नूर-सुल्तान (कजाखिस्तान), प्रेट : भारत के ग्रीको रोमन के पहलवान गुरप्रीत सिंह को सोमवार को यहां विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के तीसरे दिन एक करीबी मुकाबले में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी विक्टर नेमैस से हार का सामना करना पड़ा।

गुरप्रीत ने 77 किग्रा के मुकाबले में 2017 के विश्व चैंपियन के खिलाफ 1-0 से बहुत बनाई जब सर्बियाई पहलवान को अधिक रक्षात्मक रवैया अपनाने के लिए एक अंक की पेनाल्टी दी गई। पहले राउंड के बाद गुरप्रीत 1-0 से आगे थे। दूसरे राउंड में गुरप्रीत ने अधिक रक्षात्मक रवैया अपनाने के कारण अंक गंवाया। विक्टर ने इस बीच गुरप्रीत को मैट से बाहर करने का प्रयास किया लेकिन सर्कल के किनारे पर संतुलन गंवा बैठे और भारतीय पहलवान के साथ गिर गए लेकिन इसके बावजूद फेररी ने सर्बिया के पहलवान को दो अंक दिए। भारतीय कोच हरगोविंद ने इस फैसले को चुनौती दी लेकिन फैसला उनके खिलाफ गया जिससे गुरप्रीत ने एक और अंक गंवाया। सर्बियाई पहलवान ने इसके बाद अपनी बहुत बरकरार रखते हुए अगले दौर में जगह बनाई। विक्टर को इसके बाद क्वाटर फाइनल में कजाखिस्तान के अशखत दिलमुहामेदोव के खिलाफ हार झेलनी

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप

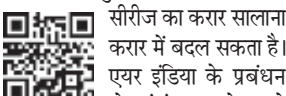
विनेश को मुश्किल ड्रॉ

नूर-सुल्तान (कजाखिस्तान) : भारत की पदक की प्रबल दावेदार महिला फ्रीस्टाइल पहलवान विनेश फोगाट को विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कड़ा ड्रॉ मिला। उन्हें पहले दौर में ही ओलंपिक कांस्य पदक विजेता सोफिया मेटसन से भिड़ना होगा। विनेश इस चैंपियनशिप में अपने अभियान का आगाज मंगलवार से करेंगी। विनेश (53 किग्रा) ने विश्व चैंपियनशिप में छह बार की पदक विजेता सोफिया को पिछले महीने पोलैंड ओपन में हराया था लेकिन यहां पहले दौर में स्वीडन की इस दमदार प्रतिस्त्री का सामना करना उनके लिए आसान नहीं होगा।

पड़ी जिससे गुरप्रीत की रेपवेज के जरिये पदक के लिए चुनौती पेश करने की उम्मीद भी टूट गई। वहीं मनीष ने भी 60 किग्रा के शुरुआती मुकाबले में फिनलैंड के लारी ओगोलेन से मेडोलेन को हराया। हालांकि अगले दौर में उन्हें मालदोवा के पहलवान विक्टर सियोवानु के खिलाफ तकनीकी दक्षता के आधार पर हार का सामना करना पड़ा।

दोनों टीम चार्टर प्लेन से पहुंचीं मोहाली: दक्षिण अफ्रीका की टीम चार्टर प्लेन से सुबह तकरीबन 10:30 बजे के करीब चंडीगढ़ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचीं, जिसके बाद यह खिलाड़ी एयरपोर्ट से सीधे अपने होटल के लिए रवाना गए। इसके बाद दोपहर 2:30 बजे के करीब भारतीय टीम पहुंची।

एयर इंडिया व बीसीसीआइ में हुआ टेस्ट करार : विमानन कंपनी जेट एयरवेज दिवाल्या होने की कगार पर है। ऐसे में बीसीसीआइ ने एयर इंडिया के साथ दक्षिण अफ्रीका सीरीज तक के एक टेस्ट करार किया है। अगर दोनों के बीच चीजें अच्छी रहती हैं और बोर्ड एयर इंडिया की सेवाओं से खुश रहता है तो यह एक



सीरीज का करार सालाना करार में बदल सकता है। एयर इंडिया के प्रबंधन से संबंध रखने वाले एक सूत्र ने इस बात की पुष्टि की और कहा कि अभी तक करार सिर्फ दक्षिण अफ्रीका सीरीज तक के लिए हुआ है। सूत्र ने कहा कि हमने बीसीसीआइ से हाथ मिलाया। बीसीसीआइ के एक अधिकारी ने कहा कि जेट बाजार से खत्म हो गया है इसलिए बोर्ड एयर इंडिया के साथ काम करना चाहता है और अगर चीजें अच्छी तरह रहती हैं तो यह एक सीरीज का करार सालाना करार में तब्दील हो सकता है। जेट के साथ जो करार था वो भारत के अंदर ही था, लेकिन इस घरेलू सत्र की शुरुआत में हमें अब विकल्प देखने होंगे और इसलिए हमने वह फैसला ले लिया। 2016 में जेट एयरवेज के साथ जाने से पहले बीसीसीआइ का करार एयर इंडिया से ही था।

चैंपियन लिवरपूल की परीक्षा लेने उतरेंगा नापोली

फुटबॉल डायरी ▶ यूएफा चैंपियंस लीग के ग्रुप दौर के मैच में आज भिड़ेंगी दोनों टीमें

पिछले दोस्ताना मुकाबले में नापोली से हार गई थी क्लोप की टीम

लंदन, एएफपी : मैनेजर जुर्जेन क्लोप के मार्गदर्शन में खेल रही लिवरपूल की टीम यूएफा चैंपियंस लीग के ग्रुप-ई के मुकाबले में मंगलवार देर रात नापोली के खिलाफ उतरेगी। हालांकि इस मैच में नापोली की टीम लिवरपूल की कड़ी परीक्षा लेगी। क्लोप की टीम इस टूर्नामेंट के पिछले दो सत्रों का फाइनल मुकाबला खेल चुकी हैं। 2018 में टीम रीयल मैड्रिड से हार गई थी जबकि इस साल जून में लिवरपूल ने टॉटनहम को हराकर छठों बार यह खिताब जीता था।

लेकिन क्लोप को विश्वास है कि इटली के स्टैंडिंग्स सैन पाओलो मैदान पर होने वाले इस मैच में नापोली से कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद रहेगी। लिवरपूल को इस बात से फायदा होगा कि वह इसी मैदान पर 2005 में इस टूर्नामेंट का खिताब जीती थी। लिवरपूल ने 2005 के फाइनल में मिलान को हराया था। वहीं, नापोली के मैनेजर कालो एंसेलोटी की टीम ने पिछले साल इस टूर्नामेंट में ग्रुप स्टेज के मैच में क्लोप की टीम को हराया था। इसके अलावा दोनों टीमों के बीच क्लब दोस्ताना मुकाबले में भी एंसेलोटी की टीम विजेता रही थी। एंसेलोटी की टीम से उसके प्रशंसक कुछ इस तरह के प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे।

नहीं खेलेंगे एलिसन : लिवरपूल के नियमित



प्रकार वार्ता के दौरान नापोली के खिलाड़ी फर्नांडो लोरेटे ।

एपी

गोलकीपर पिंडली में चोट के चलते इस मैच में नहीं खेल पाएंगे जबकि उनकी जगह एंड्रयुन अंतिम-एकादश का हिस्सा होंगे। क्लोप की टीम का डिफेंस मजबूत है जिसमें वर्जिल वैन डिक्क शामिल हैं।

मर्टेंस और सलाह पर जिम्मेदारी : नापोली के गोल का जिम्मा ड्राइस मर्टेंस के कंधों पर

रहेगा। मर्टेंस ने पिछले तीन मुकाबलों में गोल किए हैं जबकि पिछले दो मैचों में उन्होंने गोल पहले हाफ में ही किए थे। वहीं, लिवरपूल के मुख्य स्ट्राइकर मुहम्मद सलाह ने पिछले सत्र में नापोली की टीम के खिलाफ गोल किया था। इसके अलावा वह पिछले पांच इंग्लिश प्रीमियर लीग के मैचों में चार गोल दाग चुके हैं।

एक बार फिर फिफिसंग के साथे में आया भारतीय क्रिकेट

जागरण न्यूज़ नेटवर्क, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर से सोमवार को मैच फिफिसंग की वजह से उथल-पुथल मच गई है। पहली बार एक भारतीय महिला क्रिकेटर से भ्रष्ट इशारों के साथ संपर्क करने की सूचना मिली है, जबकि तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) ने अपने कोचों और अधिकारियों को कथित मैच फिफिसंग में शामिल होने को लेकर संदेह के घेरे में पाया है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की एक अनाम सदस्य को कथित तौर पर इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में मैच फिक्स करने के इशारे से संपर्क किया गया था। सोमवार को बीसीसीआइ की भ्रष्टाचार रैप्री इकाई को दो लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने का कहा गया। यह कथित घटना, जिसकी खिलाड़ी ने एसीयू को सूचना दी, फरवरी में घटी

थी। रजस्थान के पूर्व डोजीपी और बीसीसीआइ एसीयू के प्रमुख अजित सिंह शेखावत ने इसकी पुष्टि की।

शेखावत ने कहा, ‘वह भारतीय क्रिकेटर है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर भी है। इसलिए आइसीसी ने इसमें एक जांच की। आइसीसी ने उस व्यक्ति को चेतावनी दी, जो इस इशारे से मिला और हमें सूचित किया एवं स्वीकार किया कि इस क्रिकेटर ने उसके इशारों की रिपोर्ट करके सही काम किया।’ एसीयू ने बेंगलुरु पुलिस के साथ मिलकर दो लोगों गंकेश बाफना और जितेंद्र कोठारी के खिलाफ कथित भ्रष्ट नजरिये के लिए एफआइआर दर्ज की है।

यह मामला तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) के द्वारा संचालित किए जाने वाले टूर्नामेंट तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) के बाद सामने आया था, जो कुछ प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों और दो कोचों के

भ्रष्टाचार

- टीएनपीएल में संदिग्ध मैच फिफिसंग के आरोप
- एक भारतीय महिला क्रिकेटर से भी किया गया फिफिसंग को लेकर संपर्क

संदिग्ध मैच फिफिसंग के लिए बीसीसीआइ की भ्रष्टाचार रैप्री इकाई की जांच के दायरे में आने से मुश्किल में फंस्ता नजर आ रहा है।

शेखावत ने हालांकि किसी भी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के संदिग्ध होने की संभावना से इन्कार किया है। उन्होंने कहा, ‘कुछ खिलाड़ियों ने बताया था कि उन्हें अनाजन लोगों से वॉट्सएप पर संदेश आ रहे हैं। हम यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि ये लोग कौन हैं। हमने खिलाड़ियों के बयान दर्ज किए हैं और हम इन संदेशों को

विविध

पाक को सिंधु का पानी समझौते से अधिक नहीं : गजेंद्र सिंह

जागरण संवाददाता, गोरखपुर

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि सिंधु नदी से पाकिस्तान जाने वाले पानी पर नियंत्रण लगाया जाएगा। सिंधु जल बंटवारा समझौते के तहत निर्धारित पानी के अतिरिक्त अब उसे एक बूंद भी पानी नहीं मिलेगा। समझौते से ज्यादा पानी वहां जा रहा है, जिसे नियंत्रित करने की कार्य योजना तैयार की जा रही है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद पाकिस्तान की हकतों की वजह से भारत कड़ा रुख अपना रहा है।

केंद्रीय मंत्री सोमवार को गोखनाथ मंदिर में आयोजित संगोष्ठी में हिस्सा लेने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि यवी नदी पर भारत के अंतिम चरण के बाद एक बड़ा भू-भाग है। इस भू भाग में इकट्ठा होने वाला वर्षा का जल नदियों के जरिये पाकिस्तान जा रहा है। इसे भी संरक्षित करने की योजना पर काम चल रहा है। गंगा सम्राई की प्रगति के समाल पर कहा कि जिस लक्ष्य को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रयास शुरू हुए थे, उसके परिणाम दिखने लगे हैं। हालांकि उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकार ने रुचि नहीं दिखाई, जिसके चलते हम उस लक्ष्य को नहीं पा सके, जिसे पाना चाहिए था। योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद इस पर काफी काम हुआ।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री ने कहा, पाकिस्तान जाने वाले वर्षा जल को भी संरक्षित करने की तैयारी



गजेंद्र सिंह ।

फाइल

18 करोड़ ग्रामीणों तक पहुंचाएंगे से पेयजल
केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत कहा कि देश के 18 करोड़ ग्रामीण परिवारों तक पाइप लाइन से पेयजल पहुंचाने का कार्य तेजी से चल रहा है। इसमें राज्यो की भूमिका महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने वर्ष 2022 तक का लक्ष्य बनाकर तेजी से कार्य शुरू किया है।

इंडिगो की इस्तांबुल वाली उड़ानों में दो दिनों से नहीं हो रही यात्रियों के सामान की ढुलाई

नई दिल्ली, प्रे्र : विपरीत दिशा से चल रही असामान्य तेज हवा के कारण दिल्ली से तुर्की के इस्तांबुल जाने वाली इंडिगो की उड़ानों में दो दिनों से यात्रियों के सामान की ढुलाई नहीं की जा रही है। शनिवार और रविवार को एयरलाइन की विमानों से इस्तांबुल जाने वाले कई यात्रियों ने टिवटर पर अपनी पराजगी जाहिर की और भारत के नागर विमानन मंत्रालय से मदद की गुहार लगाई है।

इंडिगो के एक यात्री ने ट्वीट किया, ‘मैं उड़ान संख्या 6ई11 से 14 सितंबर को इस्तांबुल आया था। अब तक मुझे अपना बैग नहीं मिली है। हमरा सामान, जरूरी दवाएं व दस्तावेज उसी में हैं। भारत में इंडिगो का सर्विस सेंटर भी मदद नहीं कर पा रहा है। नागर विमानन मंत्रालय मदद करे।’ एक अन्य यात्री ने सोमवार

यात्रियों ने टिवटर पर साझा की पीडा, नागर विमानन मंत्रालय से मांगी मदद

को ट्वीट किया, ‘15 सितंबर को भी एयरलाइन ने किसी भी यात्री का सामान नहीं लादा।’ इंडिगो इस मार्ग पर रोजाना दो उड़ानों का परिचालन करता है। इनमें एक दिन के 11:45 बजे व दूसरी दोपहर दो बजे उड़ान भरती हैं। इस उड़ानों के लिए एयरलाइन ए320नियो व ए321 नियो विमानों का इस्तेमाल करती है। दोनों पतले विमान हैं। दिल्ली-इस्तांबुल मार्ग पर असामान्य गति से हवा चल रही है। इसके कारण विमान को भारी मात्रा में ईंधन खर्च करना पड़ेगा। इसलिए, एयरलाइन को यात्रियों के सामान को खाली करना पड़ रहा है।

इंडिगो प्रवक्ता के अनुसार, ‘दुर्भाग्यवश

विपरीत दिशा से आने वाली असामान्य तेज हवाओं के कारण तुर्की के इस्तांबुल को जाने वाली कुछ उड़ानों में यात्रियों के सामान को नहीं ले जाया जा सका।

यहां तक कि विमान में लादे गए बैगों की एक तय संख्या को उतारना भी पड़ा। इन परिस्थितियों में हमने अपने विमानों को अपग्रेड किया है, ताकि जब तक विपरीत दिशा से असामान्य हवाओं की स्थिति बनी रहती है तब तक यात्रियों के सामान को समायोजित किया जा सके। यात्रियों के सामान को इस्तांबुल भेजा जा रहा है।’

हालांकि, फ्लाइटडर24.कॉम का दावा है कि शनिवार व रविवार को एयरलाइन ने जिन विमानों का इस्तेमाल किया था, उन्हीं का सोमवार को भी किया है।



कोच बेलिस को विजयी विदाई देने से खुश हूं : रूट

लंदन, एएफपी : इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान जो रूट ने कहा है कि कोच ट्रेवर बेलिस को विजयी विदाई देने से उनकी टीम काफी खुश है। अपने मार्गदर्शन में इंग्लैंड को पहली बार विश्व कप जिताने वाले कोच बेलिस का टीम के साथ यह आखिरी मैच था, जिसमें टीम ने उन्हें विजयी विदाई दी। रूट ने मैच के बाद कहा कि कोच ट्रेवर ने टेस्ट टीम में काफी जान डाल दी थी। ड्रेसिंग रूम में उनका बहुत महत्व है।

जुनियर सर्किट पर भारत के पास जो प्रतिभा है उसे अगर सही तरीके से संभारा जाए तो इस तरह की कई ऐतिहासिक जीतें देश के सर माथे आ सकती हैं।

–पुलेला गोपीचंद, भारतीय बैडमिंटन कोच



चैंपियंस लीग में आज के अन्य मुकाबले
ल्योन बनाम जेनिट
अजाक्स बनाम लिली
बेनफिका बनाम आरखी लिज्जिा
चेल्सी बनाम वेर्सेलिया
साल्जबर्ग बनाम गैक
इंटर मिलान बनाम प्राग
प्रसारण : सोनी नेटवर्क

3-0 से नापोली ने दोस्ताना मैच में लिवरपूल को पिछले मुकाबले में शिकस्त दी थी

02 बार दोनों टीमें यूएफा चैंपियंस लीग के मुकाबले में भिड़ चुकी हैं। दोनों टीमें एक-दूसरे को एक-एक बार हरा चुकी हैं

06 मैचों से क्लोप की टीम लिवरपूल का विजय अभियान जारी है

अगर हम फिर से फाइनल में जाते हैं तो यह हमारे लिए अच्छा होगा लेकिन यह इस बार आसान नहीं होने वाला। खिताबी मुकाबले के लिए हर टीम के पास अच्छा मौका है। छोटमंड की टीम भी बहुत मजबूत है। उन्होंने अपनी टीम में पांच बदलाव किए हैं। जुवेन्ट, पीएसजी, रीयल मैड्रिड इन्हें आप कम नहीं आंक सकते।

– जुर्जेन क्लोप, मैनेजर, लिवरपूल

मैच खेलेंगे मेसी

छोटमंड : बार्सिलोना के मैनेजर ईर्नेस्टो वाल्देर्ड ने सोमवार को पुष्टि की कि मुख्य स्ट्राइकर लियोन मेसी छोटमंड के खिलाफ लीग के ग्रुप एफ के मुकाबले में खेलेंगे। यह मैच छोटमंड के मैदान सिगनल इड्रुपा पार्क में खेला जाएगा। इस मैच के लिए बार्सिलोना की 22 सदस्यीय टीम की घोषणा हुई। क्लब ने कहा कि मेसी के साथ गोलकीपर नेटो भी इस मैच में खेलेंगे। मैडिकल टीम ने दोनों खिलाड़ियों के खेलने की अनुमित दे दी। मेसी ने सोमवार को टीम के अभ्यास सत्र में भी हिस्सा लिया। मेसी चोट के कारण टीम के पिछले कुछ मैच नहीं खेल पाए थे। इसके अलावा चोट के कारण ओसान डेबेले, नेटो, सैमुअल उमिति इस मैच में नहीं खेलेंगे।

अलावेस को हराकर सेविया ला लीगा के शीर्ष पर

मैड्रिड : जोआन जॉर्डन की फ्री किक पर दागे गोल की बदौलत अलावेस को 1-0 से हराकर सेविया स्पेनिश ली ला लीगा के शीर्ष पर पहुंच गया। सेविया की टीम अब तक लीग में अजेय है और उसने शीर्ष पर एटलेटिको मैड्रिड पर एक अंक की बढ़त बना रखी है जिसे शनिवार को रीयल सोसिएदाद के खिलाफ 0-2 से हार झेलनी पड़ी। सेविया की टीम चार मैचों में तीन जीत और एक ड्रा से 10 अंक जुटाकर शीर्ष पर है।

अगर हम फिर से फाइनल में जाते हैं तो यह हमारे लिए अच्छा होगा लेकिन यह इस बार आसान नहीं होने वाला। खिताबी मुकाबले के लिए हर टीम के पास अच्छा मौका है। छोटमंड की टीम भी बहुत मजबूत है। उन्होंने अपनी टीम में पांच बदलाव किए हैं। जुवेन्ट, पीएसजी, रीयल मैड्रिड इन्हें आप कम नहीं आंक सकते।

– जुर्जेन क्लोप, मैनेजर, लिवरपूल

विषय

भेजने वालों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें कोई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नहीं है। किसी भी खिलाड़ी को अगर संदेश मिले हैं तो उसे हमें इसकी जानकारी देनी होगी, यह उसकी जिम्मेदारी है।’

टीएनसीए ने अपनी तरफ से आरोपों की जांच के लिए समिति नियुक्त कर दी है। टीएनपीएल संचालन परिषद के अध्यक्ष पीएस रमन ने कहा, ‘टीएनसीए ने इस मामले की जांच और रिपोर्ट पेश करने के लिए एक समिति नियुक्त की है। टीएनसीए संबंधित टीमों, खिलाड़ियों या अधिकारियों से जुड़े आरोपों पर बयान देने में असमर्थ है।’

हालांकि, अब तक किसी नाम का रहस्योद्घाटन नहीं हुआ है, लेकिन मैच फिफिसंग के आरोपों को टीएनपीएल की एक फ्रेंचाइजी से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसके बारे में कई लोगों का मानना ​​​​है कि

स्मिथ को लगातार दूसरी बार मिला काम्पटन–मिलर पदक

लंदन, एएफपी : एशेज सीरीज में 110 के औसत से पांच मैचों की सात पारियों में 774 रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को प्रतिष्ठित काम्पटन-मिलर पदक से नवाजा गया। खास बात यह है कि स्मिथ लगातार दूसरी बार यह पदक हासिल करने में सफल रहे हैं। स्मिथ सिर में चोट के कारण इस साल की सीरीज में एक मैच में नहीं खेले थे। इसके बावजूद वह सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

एशेज सीरीज का पांचवां और अंतिम टेस्ट इंग्लैंड ने 135 रन से जीता। ऑस्ट्रेलिया को अंतिम टेस्ट जीतने के लिए 399 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन मैथ्यू वेड के शतक (117) के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई टीम 77 ओवर में 263 रन पर ढेर हो गई और मैच गंवा बैठी। इंग्लैंड की ओर से जैक लीच और स्टुअर्ट ब्राड ने चार-चार विकेट झटकें। पांचवां टेस्ट जोतकर इंग्लैंड की टीम सीरीज 2-2 से बराबर कराने में सफल रही। इसके हार के बावजूद यह सीरीज स्मिथ के लिए कई अच्छी यादें लेकर आई। स्मिथ ने इस सीरीज में तीन शतक और तीन अर्धशतक लगाए। उन्होंने सात पारियों में 144, 142, 92, 211, 82, 80 और 23 के स्कोर किए। वह किसी एक एशेज सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने के मामले में पांचवें स्थान पर आ गए हैं। स्मिथ के अलावा डैन ब्रेडमैन ने 1930 में 974 रन, वॉली हेमंड ने 1928 में 905 रन, मार्क टेलर ने 1989 में 839 रन, ब्रेडमैन ने 1936 में 810 रन बनाए हैं।

मैच के बाद स्मिथ ने कहा कि इंग्लैंड में बीते दो महीने शानदार रहे। यहां बेहतरीन क्रिकेट खेली गई। यूरोपीयों के लिए प्रदर्शन करने का गर्व है। इस सीरीज से कुछ बेहतरीन खिलाड़ी

हमें पछतावा है : पेन

लंदन, एएफपी : पांचवां एशेज टेस्ट गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान टिम पेन ने कहा है कि उनकी टीम को कुछ बातों का पछतावा है क्योंकि वह खासतौर पर पांचवें टेस्ट में अपने सामने आए मौकों को भुना नहीं सकी। मैच के बाद पेन ने कहा कि हमें कुछ बातों का पछतावा है। हम अपने सामने आए मौकों को भुना नहीं सके। हमारे गेंदबाज अच्छा खेले। मुझे उनके लिए बुरा लग रहा है। इस मैच में हम जिस तरह से खेले, उससे बेहतर कर सकते थे। बीते 18 साल में इंग्लैंड आकर सीरीज बराना बड़ी बात थी, लेकिन आज का दिन हमारे लिए खराब रहा। पेन ने यह भी कहा कि इंग्लैंड की टीम हर लिहाज से उनकी टीम से बेहतर थी, लेकिन बावजूद इसके उनकी टीम ने मेजबान टीम को कड़ी टक्कर दी।

एशेज डायरी

ऑस्ट्रेलिया बेहतर टीम थी : रिकी पोंटिंग

लंदन, आइएएनएस : ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना ​​​​है कि 2-2 से ड्रा हुई मौजूदा एशेज सीरीज में टिम पेन की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम मेजबान इंग्लैंड से बेहतर थी। ऑस्ट्रेलिया ने एशेज को अपने पास ही रखा है। पोंटिंग ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज को गंवाए हुए मौके के तौर पर देखेगी। मुझे लगता है कि वो बेशक इंग्लैंड से बेहतर टीम थी। उन्होंने पूरी सीरीज में शानदार क्रिकेट खेली है। हेंड्रिले ने उन्हें जीतना चाहिए था। ऑस्ट्रेलिया अगर यह सीरीज जीत जाती तो वह 2001 के बाद से इंग्लैंड में पहली बार एशेज अपने नाम करती। दो बार के विश्व विजेता कप्तान ने कहा है कि 2-2 का परिणाम इस बात को साफ तौर पर नहीं बताता कि यह सीरीज किस तरह से खेली गई और मेहमान टीम ने पांच टेस्ट मैचों में किस तरह का प्रदर्शन किया। पोंटिंग ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम बेशक सीरीज नहीं जीत पाई हो, लेकिन उनके प्रयास को सराहना मिलनी चाहिए।

निकले। मैथ्यू वेड ने साबित किया कि वह काफी मजबूत खिलाड़ी हैं और इंग्लैंड के लिए जोफ्रा आर्चर बेहतरीन खोज रहे। आर्चर ने आइपीएल के बीते सत्र में अपने लक्षण दिखा दिए थे। उनमें खास कोशल है और उनका भविष्य काफी उज्ज्वल है।

आराम करना चाहते हैं स्मिथ

लंदन, एएफपी : एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ अब क्रिकेट से कुछ सप्ताह के लिए आराम करना चाहते हैं। स्मिथ को एशेज में उनके शानदार प्रदर्शन के चलते मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला। स्मिथ ने मैच के बाद कहा कि मैं पिछले चार महीने से भी अधिक समय से यहां था और मैंने यहां अपना सर्वश्रेष्ठ दिया, लेकिन अब मेरे पास और ज्यादा कुछ देने के लिए नहीं है। मैं मानसिक और शारीरिक रूप से थोड़ा थक गया हूं और अब मैं अगले कुछ सप्ताह थोड़ा आराम चाहता हूं और वापस ऑस्ट्रेलिया के माहौल में आनंद लेना चाहता हूं। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने कहा कि एशेज सीरीज का पहला टेस्ट हमेशा महत्वपूर्ण होता है। टीम को संकट से बाहर लाने के बाद मेरा आत्मविश्वास बढ़ गया।

साक्षात्कार में पूछा सवाल सांसद आजम खां पर कितनी बकरी चोरी का आरोप है

राज्य व्यूरो, प्रयागराज

‘रामपुर से सपा सांसद आजम खां पर इन दिनों लगातार दर्ज हो रहे मुकदमे सुर्खियों में हैं। उनके ऊपर चोरी के कितने मुकदमे दर्ज किए गए हैं? उसमें कितनी बकरी चोरी का आरोप लगा है?’ कुछ ऐसा ही प्रश्न पूछा गया पीसीएस 2017 के अभ्यर्थियों से। उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग (यूपीपीएससी) में सोमवार को पीसीएस के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार शुरू हो गया। साक्षात्कार के पहले दिन अभ्यर्थियों से उनके विषय के अलावा कई प्रश्न पूछे गए। वह कुछ का जवाब दे पाए, जबकि कई प्रश्न सुनकर उन्हें एसी कमरे में पसीना आ गया।

साक्षात्कार के लिए छह बोंडे बनाए गए हैं। हर बोर्ड में 24-24 अभ्यर्थियों को बुलाया गया है। इनका साक्षात्कार सोमवार से शुरू हो गया है। कुछ अभ्यर्थियों से ‘बाबरी मस्जिद विवाद किसके-किसके बीच चल रहा है, पूछा गया। जबकि कुछ से प्रश्न किया गया कि स्वच्छता को लेकर देश में ध्वर कौन सा नया अभियान शुरू हुआ है? वहीं कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का कारण व देश को उससे होने वाले लाभ के बारे में भी प्रश्न किया गया, जबकि एक अभ्यर्थी से आनंदपुर साहिब का सिखों के लिए महत्व के बारे में पूछा गया। आयोग में 30 सितंबर तक साक्षात्कार चलेगा। इसमें 676 पदों के लिए 2029 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए सफल हुए हैं।



यूपीपीएससी में शुरू हुआ पीसीएस के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार

पूछा, बाबरी मस्जिद विवाद किसके-किसके बीच चल रहा है



फाइल

ये सवाल भी पूछे गए

अमेरिका—चीन ट्रेड वार का भारत पर क्या असर पड़ेगा?

बीआरआइ क्या है?

मॉब लिंकिंग क्या है, इसे लेकर राजनीति क्यों है?

मिश्रन शक्ति के बारे में बताएं?

अंतरराष्ट्रीय अदालत में कुलभूषण जाधव को लेकर बीते दिनों क्या निर्णय हुआ है?

सिंधु जल समझौता क्या है?

इस समय दक्षिणी चीन सागर क्यों अंतरराष्ट्रीय चर्चा में बना है?

वाघों की मौत के लिए मठ ने सरकार को ठहराया जिम्मेदार

वाघों के साथ तस्वीरें खिंचवाते थे पर्यटक

इस बौद्ध मठ में बड़ी संख्या में पर्यटक आते थे। खु खेले में घूमने वाले बाघों के संग तस्वीरें भी खिंचवाते थे। इसके लिए पर्यटकों से शुल्क भी वसूला जाता था। पशुओं की तस्करी के आरोप लगाने के बाद मठ पर 2016 में छापा मारा गया था। छापे के दौरान 40 शावकों के शव फ्रीजर में पाए गए थे।

400 हिरण, 300 से ज्यादा मोर, एक शेर और दूसरे कई पशु भी खे गए हैं।

नासा ने दुनिया के सामने रखा अपना पहला स्पेस शटल

1976 में आज ही दुनिया के सामने आए इस स्पेस शटल का नाम इंटरप्साइज था। इसमें इंजन नहीं लगे थे और न ही इसमें तेज गमी से बचाव के लिए किसी तरह की हीट शील्ड लगी थी। इसे सिर्फ वायुमंडल के अंदर परीक्षण करने के लिए बनाया गया था।



भारतीय संघ में शामिल हुआ हैदराबाद

1948 में आज ही हैदराबाद के निजाम अपनी सत्ता छोड़कर भारतीय संघ में शामिल हो गए थे और इसी के साथ हैदराबाद भारत का हिस्सा बन गया था। भारतीय सेना ने 13 सितंबर, 1948 को ऑपरेशन पोलो के तहत हैदराबाद को भारत में मिलाने का अभियान शुरू किया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी को जन्मदिन मुबारक हो

अपनी अलग कार्यशैली के दम पर देश को नई दिशा देने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी का जन्म आज ही गुजरात के वडनगर में हुआ। 2014, 2015 और 2017 में उन्हें टाइम पत्रिका ने अपनी सूची सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में शामिल किया। फोर्ब्स पत्रिका ने 2015, 2016 और 2018 में उन्हें विश्व में 9वें सबसे शक्तिशाली व्यक्ति के रूप में स्थान दिया। वर्ष 2015 में वह दिवकर और फेसबुक पर दूसरे सबसे अधिक फॉलो किए जाने वाले राजनेता रहे। सर्वाधिक देशों से सर्वोच्च सम्मान पाने वाले वह देश के इकलौते प्रधानमंत्री हैं।



भारतीय वैज्ञानिक ने निकाली अंधेरे से रोशनी की राह

न्यूयॉर्क टाइम्स से

वाशिंगटन : अमेरिका में रहने वाले भारतवंशी अश्वत रमन ने एक ऐसी डिवाइस बनाई है, जो अंधेरे में ऊर्जा एकत्रित कर एलईडी बल्ब जलाने लायक बिजली का उत्पादन कर सकती है। 2013 में उन्हें यह डिवाइस बनाने का खयाल आया था। लास एंजेलिस स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर रमन उस साल पश्चिम अफ्रीकी देश सिएएर लियोन के एक गांव से गुजर रहे थे। उस वक्त वहां घना अंधेरा था। एक भी बल्ब नहीं जल रहा था। तब उन्होंने सोचा कि जिस तरह सूर्य के प्रकाश और गर्मी से ऊर्जा का निर्माण होता है, क्या उसी तरह अंधेरे से भी ऊर्जा पैदा की जा सकती है। आखिरकार उन्होंने ऐसी डिवाइस का नमूना तैयार करने में सफलता हासिल कर ली है। 'जूल' जर्नल में उन्होंने इसका विवरण दिया है।

रेडिएटिव कूलिंग के सिद्धांत पर करता है काम : रमन द्वारा बनाया गया

अंधेरे से ऊर्जा तैयार करने में सक्षम उपकरण का नमूना किया तैयार



नए उपकरण की मदद से चार वॉट तक हो सकता है बिजली का उत्पादन। फाइल

उपकरण रेडिएटिव कूलिंग के सिद्धांत पर काम करता है। रेडिएटिव कूलिंग वह प्रक्रिया है, जिसके कारण सूर्यास्त होने के बाद पार्क व इमारतें अन्य जगहों की अपेक्षा ठंडे हो जाते हैं। नई डिवाइस भी सूर्यास्त के बाद ताप उत्सर्जित

करती है। डिवाइस के ऊपरी हिस्से व निचले हिस्से से निकलने वाले ताप में बहुत अधिक अंतर रहता है। बाद में ताप के इसी अंतर से बिजली बनाई जाती है। रमन का कहना है कि यदि डिवाइस को वोल्टेज कनवर्टर से जोड़

दिया जाए तो उससे एक सफेद एलईडी बल्ब जल सकता है।

कैसी है डिवाइस : यह डिवाइस शेफिंग डिश (खाना गर्म करने वाले बड़े बर्तन) में रखे हॉकी पक की तरह दिखती है। मुख्यतः आइस हॉकी में इस्तेमाल होने वाला पक काले रंग का पॉलीस्टीन डिस्क होता है जिसके अंदर हवा नहीं जा सकती। इस डिवाइस के बीच में थर्मोइलेक्ट्रिक जेनरेटर लगा है, जो उसके विपरीत सिरों से उत्सर्जित ताप के अंतर को बिजली में बदल सकने में सक्षम है।

वैज्ञानिकों ने की सराहना : मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में पैसिव कूलिंग और सौर तकनीकों पर शोध कर रहे वैज्ञानिक जेफ्री ग्रांसमैन ने इस उपकरण को उत्साहवर्धक बताया है। उन्होंने कहा कि यह अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में बहुत अहम योगदान है।

अभी है चुनौतियां : शोधकर्ताओं का कहना है कि इस डिवाइस की मदद से केवल चार वॉट तक की बिजली का उत्पादन हो सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती इसकी क्षमता बढ़ाना है।

तकनीक ▶ यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाच्युसेट्स के शोधकर्ताओं ने विकसित किया स्मार्ट कपड़ा

नींद में दिल की धड़कन मापेगा पायजामा

स्वास्थ्य की करेगा निगरानी और बीमारियों के उपचार में भी होगा मददगार

वाशिंगटन, प्रेट्र : वैज्ञानिकों ने एक ऐसा पोर्टेबल पायजामा विकसित किया है, जो सेंसर की मदद से नींद में भी आपके दिल की धड़कन और सांसों की गति को माप सकता है। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाच्युसेट्स के शोधकर्ताओं ने कहा कि आज तकनीक इतनी विकसित हो चुकी है कि हम सोने के लिए ऐसे कपड़ों को बुन या सिल सकते हैं जो हमारे स्वास्थ्य की निगरानी कर सकते हैं। ये कपड़े बीमारियों के उपचार में मददगार भी साबित हो सकते हैं।

यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर त्रिशा एल एंड्रयू ने कहा ने हम ऐसी तकनीक पर काम कर रहे थे, जिसके जरिये स्मार्ट कपड़े बनाए जा सकें, लेकिन इसमें सबसे बड़ी समस्या यह थी ऐसे कपड़े कैसे बुने जाएं जो किसी सेंसर युक्त मशीन की बजाय सोने के दौरान इसके कई हिस्से शरीर से पूरी कि आमतौर पर लोग मानते हैं कि शारीरिक और मनोवैज्ञानिक संकेतों को मापने के लिए



सेंसर युक्त पायजामे को पहनकर मापा जा सकती है दिल की धड़कनें। फाइल

ढीले कपड़ों की बजाय कसे हुए कपड़े ज्यादा फायदेमंद होते हैं, लेकिन वास्तविकता में ऐसा नहीं है। अब पायजामा पहन कर भी हम शारीरिक और मनोवैज्ञानिक संकेतों को माप सकते हैं।

दबाव से सक्रिय होता है सेंसर : कंप्यूटर वैज्ञानिक दीपक गणेशन ने कहा कि भले ही लोग ढीले पायजामे पहनते हैं, लेकिन सोने के दौरान इसके कई हिस्से शरीर से पूरी कि आमतौर पर लोग मानते हैं कि शारीरिक और मनोवैज्ञानिक संकेतों को मापने के लिए

हैं उससे पायजामे पर दबाव पड़ता है। इससे पायजामे पर लगे सेंसर सक्रिय हो जाते हैं और हमारे दिल की धड़कन और सांस की गति को मापना शुरू कर देते हैं। शोधकर्ताओं का यह अध्ययन द प्रोसीडिंग ऑफ द एसोिएम जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

फैब्रिक आधारित सेंसर : इससे पहले शोधकर्ताओं ने एक ढीले पायजामे पर ही सेंसर लगाकर उनका परीक्षण किया, लेकिन वह ज्यादा कारगर सिद्ध नहीं हो सका, क्योंकि इसे पहनकर सोने में व्यक्ति को



भारतीय-अमेरिकी सैनिकों ने चिनुक पर किया संयुक्त अभ्यास भारतीय और अमेरिकी सैनिकों ने युद्ध अभ्यास 2019 के तहत हॉवैटर तोप और विनूक हेलीकॉप्टर पर साझा अभ्यास किया। वाशिंगटन स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे लेविंस मेरौडॉ में पांच सितंबर से शुरू हुआ यह अभ्यास 18 सितंबर तक चलेगा। भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग के तहत हाल में अमेरिका निर्मित चार चिनुक हेलीकॉप्टर भारतीय वायुसेना में शामिल किए गए हैं। ये हेलीकॉप्टर भारी भरकम सामान ले जाने में भी सक्षम हैं। अक्टूबर में भारत में होने वाले हिम विजय अभ्यास में भी चिनुक और हॉवैटर तोप इसमें शामिल किए जाएंगे। एएनआइ



आम लोगों के लिए खुला दक्षिण एशिया का सबसे ऊंचा टावर

श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में सोमवार को एक मध्य समारोह में 'द लोटस टावर' का उद्घाटन किया गया। 135.6 मीटर ऊंचा यह टावर दक्षिण एशिया का सबसे ऊंचा टावर है। चीन सरकार की आर्थिक सहायता से बने इस टावर का उद्घाटन श्रीलंकाई राष्ट्रपति मैत्रिपाल सिरिसेने ने किया। चीन की महात्माक्षी बीट्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत चीन और श्रीलंका के मध्य 2012 में लोटस टावर एग्जीमैट पर हस्ताक्षर हुआ था। इस प्रोजेक्ट पर 104.3 मिलियन डॉलर (करीब साढ़े सात अरब रुपये) लागत आई है। यह टावर टेली कम्युनिकेशन, डिजिटल टीवी और रेडियो के लिए सिंगल ट्रांसमिशन हब के रूप में काम करेगा। टावर रेस्तरां, सुपरमार्केट, फूड कोर्ट, विशाल कॉफ़ेस हाल, एक हजार सीट का ऑडिटोरियम, लग्जरी होटल रुम और ऑब्जर्वेशन डेक जैसी विशेषताओं से युक्त है। एएफपी

स्क्रीन शॉट

प्रधानमंत्री मोदी की जिंदगी पर अब भंसाराली की फिल्म 'मन बैरागी'



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रेरक व्यक्तित्व और जीवन-संघर्ष न सिर्फ आम लोगों को, बल्कि फिल्ममेकरों को भी प्रभावित कर रहा है। उनके बचपन पर निर्देशक मंगेश हदावले ने शॉर्ट फिल्म 'चलो जीते हैं' बनाई। उसके बाद उनके जीवन पर उमंग कुमार निर्देशित और विवेक ओबेरॉय अभिनीत फिल्म 'पीएम नरेंद्र मोदी' आई। अब संजय लीला भंसाराली के प्रोडक्शन में 'मन बैरागी' आने वाली है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जिंदगी पर आधारित होगी। फिल्म का पहला पोस्टर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बाहुबली फेन प्रभास द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 69वें जन्मदिन पर आज रिलीज किया जाएगा। फिल्म के निर्माता संजय लीला भंसाराली और महवीर जैन हैं, जबकि लेखक और निर्देशक संजय



त्रिपाठी हैं। फिल्म का आइडिया संजय त्रिपाठी का है। फिल्म में मुख्य भूमिका नवोदित कलाकार अभय वर्मा ने निभाई है। संजय के मुताबिक, फिल्म में उनकी जिंदगी के अनछूए पहलुओं को दिखाया जाएगा। संजय लीला भंसाराली के मुताबिक, 'इस कहानी में सबसे खास बात इसकी यूनिवर्सल अपील और संदेश लगी। कहानी पर गहन शोध किया गया है।' एक युवा व्यक्ति के तौर पर पीएम के जीवन में आने वाले महत्वपूर्ण मोड़ ने भंसाराली को बहुत प्रभावित किया। यही वजह है कि उन्हें यह कहानी बताना जरूरी लगा।

एक महीने तक लंदन में शूट होगी शकुंतला देवी की बायोपिक

एक महीने तक लंदन में शूट होगी शकुंतला देवी की बायोपिक

इस साल रिलीज फिल्म 'मिशन मंगल' में वैज्ञानिक की भूमिका में नजर आई विद्या बालन अब गणितज्ञ शकुंतला देवी पर आधारित बायोपिक 'शकुंतला देवी ह्यूमन कंप्यूटर' में नजर आएंगी। सोमवार को सोशल मीडिया पर जाहिर। विद्या बालन ने पोस्टर और टीजर साझा कर दिया। विद्या ने लिखा कि उत्साह दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। यह समय गणितज्ञ की जड़ों में जमे जा रहा है। अनु मेनन द्वारा निर्देशित फिल्म की शूटिंग लंदन में सोमवार से आरंभ हुई। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म का पहला शेड्यूल एक महीने तक लंदन में शूट होगा। उसके बाद कुछ हिस्सा मुंबई में शूट किया जाएगा। विद्या बालन ने करीब चार महीने तक किरदार की तैयारी की। शकुंतला की प्रतिभा का पता तीन साल की उम्र में चला था। असाधारण प्रतिभा के कारण वे 'ह्यूमन कंप्यूटर' के तौर पर विख्यात हुईं। 1982 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में उनका नाम दर्ज हुआ था।

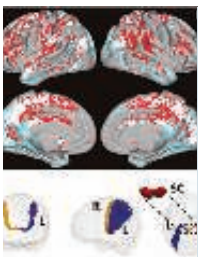
पता लगाया

एडवांस इमेजिंग और मॉडलिंग तकनीक की मदद से वैज्ञानिकों ने लगाया पता, प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल अकादमी ऑफ साइंसेज नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ अध्ययन

ऐसे ध्यान केंद्रित करता है मस्तिष्क का मध्य भाग

नई दिल्ली, आइएसडब्ल्यू : किसी कार्य को पूरा करने के लिए उस पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। वैज्ञानिक इस बात की गहराई में जाने का प्रयास लंबे समय से कर रहे हैं कि मनुष्य का दिमाग ध्यान की प्रक्रिया को नियंत्रित कैसे करता है। एक नए अध्ययन में भारतीय वैज्ञानिकों ने एडवांस इमेजिंग और मॉडलिंग तकनीक की मदद से पता लगाया है कि मस्तिष्क का मध्य भाग ध्यान को नियंत्रित करने में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

शोधकर्ताओं ने मस्तिष्क में ऐसे ह्राइड मेटर फाइबरस का पता लगाया है, जो मस्तिष्क के मध्य भाग सुपीरियर केलकुस को दिमाग के बाहरी अग्रभाग समेत उसके अन्य हिस्सों से जोड़ते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि सुपीरियर केलकुस ध्यान प्रक्रिया में शामिल सेरेब्रल कॉर्टेक्स के एक हिस्से पेराइएटल कॉर्टेक्स से जुड़ा होता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सुपीरियर केलकुस-कोर्टेक्स की कनेक्टिविटी व्यक्तियों में ध्यान केंद्रित होने और उसके भटकना को प्रभावित कर सकती है। इस अध्ययन में दो तरह के प्रयोग किए गए हैं। इनमें से एक प्रयोग में 22 प्रतिभागियों के व्यवहार का अध्ययन किया गया है। इसके लिए अधिक ध्यान केंद्रित करने वाले कार्यों के दौरान प्रतिभागियों में सुपीरियर केलकुस की स्थिति



क्या है सुपीरियर केलकुलस

शोधकर्ता वर्षा श्रीनिवासन ने बताया कि सुपीरियर केलकुस क्रमिक रूप से संरक्षित मध्य मस्तिष्क की संरचना को कहते हैं। यह मस्तिष्क संरचना मछली, छिपकली और स्तनपायी जीवों समेत सभी कशेरुकी जीवों में पाई जाती है। आमतौर पर, आंखों की गति को नियंत्रित करने में सुपीरियर केलकुलस की भूमिका का पता लगाने के लिए मस्तिष्क के इस हिस्से का अध्ययन किया जाता है।

का आकलन किया गया है। दूसरे प्रयोग में, कुल 82 प्रतिभागियों में सुपीरियर केलकुस की संरचना का अध्ययन किया गया है। इसके लिए डिफरेंस रिजोनेंस इमेजिंग और थ्रीडी मॉडलिंग तकनीक ट्रेक्टोग्राफी का उपयोग किया गया है। बेंगलुरु स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान के शोधकर्ताओं द्वारा किया गया यह अध्ययन शोध पत्रिका प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल अकादमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित किया गया है। कई प्रकार के विकारों से निपटने में मिलेगी मदद : भारतीय विज्ञान संस्थान के सेंटर फॉर न्यूरोसाइंस से जुड़े प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर देवरानजन श्रीधरन ने बताया कि मानव मस्तिष्क में लगातार सूचनाएं प्रवाहित होती रहती हैं। ध्यान

हॉलीवुड फिल्में नहीं करना चाहती हैं अनन्या पांडे

एक ओर जहां बॉलीवुड एक्टर हॉलीवुड में पैर जमाने की कोशिशें कर रहे हैं, वहीं नवोदित अभिनेत्री अनन्या पांडे की हॉलीवुड में जगह भी दिलचस्पी नहीं है। कारण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वाली चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडे अपनी आर्चन दी फाल्सी की शूटिंग कर रही हैं। एक ओर वह कार्टिक आर्यन के साथ वर्ष 1978 में रिलीज हुई फिल्म 'पति पत्नी और वो' की रीमेक में काम कर रही हैं, तो वहीं ईशान खट्टर के साथ 'खाली पीली' में भी नजर आएंगी। अनन्या दूसरे कलाकारों की तरह हॉलीवुड का सपना नहीं देखती हैं। उनके पिता चंकी पांडे का कहना है कि अनन्या बचपन से ही बहुत फिल्मी रही हैं। उन्हें हिंदी गानों का शौक रहा है। चंकी बताते हैं कि वह अनन्या को हॉलीवुड की फिल्में देखने को नहीं चाहती हैं। वह कहते हैं कि अनन्या से जब भी अंग्रेजी फिल्में देखने को कहता था, वह कहती थीं कि पापा, हॉलीवुड की फिल्में देखकर क्या करना है, काम तो मुझे हिंदी सिनेमा में ही करना है। अनन्या की हिंदी की तारीफ करते हुए चंकी कहते हैं, 'अनन्या भले ही अंग्रेजी में बात करती हों, लेकिन उनकी हिंदी भी उतनी ही अच्छी है। उनका दिल भारतीय है। तभी तो लोग उनके साथ पहली ही फिल्म से जुड़ गए।' पिता होने के नाते चंकी को पता था यही कि फिल्मी दर्शक उनकी बेटी को अपनाएंगे या नहीं।



अनुभव सिन्हा और भूषण कुमार कई फिल्में बनाएंगे साथ-साथ

निदेशक अनुभव सिन्हा और निर्माता भूषण कुमार अब मल्टी फिल्ममेकिंग डील कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट की पहली फिल्म तापसी पन्नू स्टार 'थपड़' होगी। इसके बाद दोनों कई फिल्में साथ बनाएंगे। भूषण कुमार अनुभव सिन्हा के साथ काम करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। वह कहते हैं, 'एक बार फिर अनुभव के साथ जुड़कर खुश हूँ। वे सिर्फ बेहतरीन फिल्ममेकर ही नहीं, बल्कि उनको संगीत की भी अच्छी समझ है। वे आज के समय के हिसाब से प्रासंगिक फिल्में बनाते हैं। मैं इस तरह की फिल्मों के साथ जुड़ना चाहता हूँ। आशा है कि हम दोनों मिलकर अच्छी फिल्में दे सकेंगे, जिनका कंटेन और म्यूजिक दोनों अच्छे होंगे।' अनुभव सिन्हा भी काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'भूषण कुमार कनेक्टिविटी के साथ निर्देशकों को काम करने की स्वतंत्रता देते हैं और जानते हैं कि दर्शकों को क्या पसंद आएगा और क्या नहीं। हम दोनों मिलकर सिनेमा के लिए जो भी बेहतरीन हो सकता है, वह करेंगे।' इसके पहले भी प्रोड्यूसर और डायरेक्टर 'तुम बिन' में एक साथ काम कर चुके हैं।